7 साल आपके साथ
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-8 | अंक :5 | दिसम्बर-2024 | पृष्ठ-32 | मूल्य : ₹ 20.00

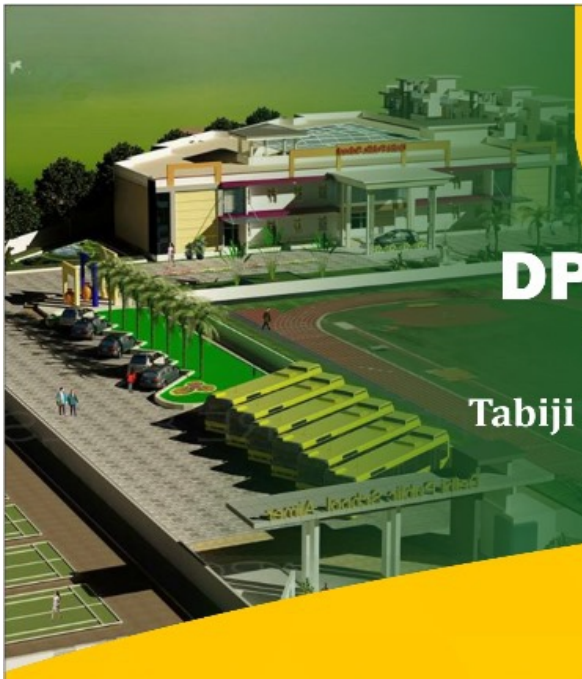

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING

The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, **सह-सम्पादक :** रमेश तोंदवाल 9460870125 एवं प्रिया मारवाल 9408093778 तथा मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

साथियों, जब तक यह अंक आपके हाथ में पहुंचेगा, नया साल-2025 का आगाज हो रहा होगा। 1 जनवरी को नववर्ष हमारी हिन्दुस्तानी परिस्थितियों के अनुकूल नहीं है। इस समय भयंकर ठिठुरन व सर्दी के कारण विशेषकर उत्तरी भारत में घर से बाहर निकलकर उत्साह दिखाना व मनाने पर ठण्ड व जुखाम होने का खतरा रहता है। फिर भी हमारे भारत में पूरी दुनिया के साथ इसे मनाया जाता रहा है। इसलिए **नववर्ष 2025 के लिए आप सभी पाठकों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।** नया साल-2025 में आप सभी के जीवन में खुशियां, समृद्धि, अच्छा स्वास्थ्य लाये व आपकी नई उम्मीदें, नये सपने नये लक्ष्य और नये आइडियाज पूरे हों।

14 जनवरी को मकर संक्रांति है, सूर्य भगवान दक्षिणायन से उत्तरायण में पर्दापण करेंगे, इस समय मौसम अनुकूल होना प्रारम्भ होने लगेगा वहीं मलमास की समाप्ति होगी और पुन: धार्मिक और मांगलिक कार्य प्रारम्भ होंगे। लोग पवित्र सरोवरों व नदियों में स्नान कर दानपुण्य करेंगे। इस दिन तिल-गुड़ से बने लड्डुओं का आनन्द लेंगे। इनके सेवन से शरीर में केल्सियम व इम्यूनिटी बढ़ती है। जयपुर तथा कुछ अन्य शहरों में मकर संक्रांति को पतंग उड़ाई जाती है, इससे सर्दी में धूप का सेवन तो होता ही है, विटामिन-डी भी मिलता है। **आप पतंग अवश्य उड़ाये पर चाइनीज मांझा का उपयोग नहीं करें। सुबह-शाम जब पक्षियों के आने-जाने का समय हो उस वक्त पर पतंग नहीं उठायें।** साथ ही **ध्यान रखें की कहीं बच्चे गिर कर दुर्घटनाग्रस्त न हो जायें।**

12 जनवरी को महान विभूति **स्वामी विवेकानन्द** के जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। विवेकानन्द ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सनातन धर्म का गौरव बढ़ाया था, जिससे हिन्दू धर्म की प्रतिष्ठा बढ़ी। उन्होंने युवाओं को भी उठो, जागो और आगे बढ़ो का संदेश देकर जागृति पैदा की। हमें उनकी शिक्षाओं का अनुकरण करना चाहिये, जिसको इस अंक में पुनर्लेखन किया गया है। 23 जनवरी को **नेताजी सुभाषचन्द्र बोस** का जन्मदिन है, आजादी की लड़ाई में उनके योगदान को भला कौन नहीं जानता। हम उन्हें याद करें ओर इस दिन को पराक्रम दिवस के रूप में मनाकर उनके योगदान को नई पीढ़ी को बताना चाहिये।

26 जनवरी, 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और भारत गणतंत्र देश बना। इस वर्ष इसकी 75वीं वर्षगांठ है। हम देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए हर सम्भव प्रयास करें। **आईये, इसकी शुरुआत हम हमारे कुमावत समाज से करें।**

जयहिन्द, जय कुमावत समाज

- रमेश कुमावत (गैदर)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
ग्रीन लिटिल बेबी श्रेया कुमावत रेक्स कर्मवीर चक्र पुरस्कार से सम्मानित	5
अंग्रेजी कविताओं का संग्रह 'केओस' का विमोचन	5
800 मी. दौड़ में कृष्णा कुमावत को गोल्ड मेडल	5
खुशी कुमावत का राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए चयन	6
दीपामोहन वेलफेयर ट्रस्ट का समारोह सम्पन्न	6
सम्मानित हुई टीम चेतन धुंधारिया	6
जयश्री कुमावत ने SGFI में जीता कांस्य पदक	6
सौरव को तैराकी में पदक	6
मिताक्षी को स्केटिंग में पदक	6
आर्टिस्ट अंजू कुमावत	7
शैली वर्मा RJS चयनित	6
62 गांव 4 चौखला का हुआ मान-सम्मान	7
क्षत्रिय कुमावत समाज विवाह समिति की बैठक आयोजित	7
जोबनेर रक्तदान शिविर में 344 यूनिट ब्लड एकत्र	7
''वन नेशन वन इलेक्शन'' को केबिनेट की मंजूरी	7
सवाईमाधोपुर सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा कार्यकारिणी ने शपथ ली	8
अरुण कुमावत ने ढाई घंटे में बनाया आमेर महल का नाइट व्यू	8
एकलिंगजी मंदिर में दर्शनार्थियों के लिए ड्रेस कोड लागू	8
रामलला प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ 11 जनवरी को	8
दहेज मुक्त विवाह संदेश से खारिया में आई जागरूकता	9
संजय मलहोत्रा आर.बी.आई. गवर्नर नियुक्त	9
सेवा मनुष्य का आवश्यक धर्म-कर्त्तव्य	10
समय से विवाह करना समझदारी का काम	10
ईश्वर/आत्मा के रूप का दर्शन है	11
टके टके की नूत के रिश्ते	11
तुलसीदासजी की हनुमानजी से बल, बुद्धि और विद्या की प्रार्थना	11
नव वर्ष 2025: एक नई शुरुआत की ओर....	12
उम्मीद	12
हिन्दु धर्म-संस्कृति के महान सेवक विवेकानन्द	13
विवेकानन्द-एक महान व्यक्तित्व	14
जिंदगी को मशीन नहीं बनाए	14
हमारे समाज का युवा और स्वामी विवेकानंद जी के अनमोल विचार	15
महाकुंभ में 100 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए होंगे इंतजाम: सीएम योगी	16
धन से बड़ा बुद्धिबल	17
हाईपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण सफल	17
कवच सिस्टम से होगी रेल सुरक्षा	17
सुभाष चंद्र बोस	18
छुट्टियों का अनूठा एसाइनमेंट अभिभावकों के लिए	19
मकर संक्रांति	20
इस बार मकर संक्रांति कब- 14 या 15 जनवरी ?	20
मिलजुलकर बनें बिल्डर	21
ढूंढिये वजह मुस्कराने की-2	21
सोशल मीडिया पर लगाम जरूरी	22
स्वदेशी हंटर और किलर ड्रोन विकसित	22
वर्ष 2025, राशि अनुसार उपाय	23
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क करें	26
नि:शुल्क अग्नि कर्म चिकित्सा शिविर में 101 लोगों ने लिया स्वास्थ्य लाभ	28
जयपुर में LPG टैंकर में ब्लास्ट से भयंकर हादसा	28

राज्य युवा महोत्सव में कुमावत छात्राओं ने रचा इतिहास

ब्लॉक स्तर पर सरस्वती सभागार, एस के एन कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में आयोजित राज्य युवा महोत्सव में डायमंड स्कूल की छात्राओं ने कालबेलिया नृत्य में प्रथम रैंक प्राप्त कर एक बार फिर से डायमंड एकेडमी परिवार को सिरमौर बनाकर श्रेष्ठता साबित की है।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली छात्राओं में कुमावत समाज की रेणुका कुमावत, रिया कुमावत, निकिता कुमावत तथा रितिका कुमावत भी थी। जिला स्तर के लिए चयन होने पर इन छात्राओं एवं डायमंड स्कूल को हार्दिक बधाई।

वैवाहिक

Yogesh Kumawat

DOB	:	22 September 1993
Birth Time	:	09:20 PM
Birth Place	:	Jaipur (Rajasthan)
Colour	:	Fair Height : 5'-5"
Gotra	:	Self : Khandariya Mother : Bhorodiya
		Dadi : Basniwal Nani : Khoraniya
Education	:	B.Com, MBA
Occupation	:	Quality Auditor (AGS Healthcare Pvt Ltd)
Father	:	Suresh Kumawat (Private Work)
Mother	:	Shashi Kumawat (Home Maker)
Sisters	:	Jaya Kumawat and Deepika Kumawat
Grandfather	:	Shankar Lal Kumawat
Tauji	:	Rajesh Kumawat
Chacha	:	Shekhar Kumawat
Address	:	Plot No: 36, Patel Colony, Sardar Patel Marg, C-Scheme Jaipur, 302001
Contact No	:	8619022198

ग्रीन लिटिल बेबी श्रेया कुमावत रेक्स कर्मवीर चक्र पुरस्कार (कांस्य) से सम्मानित

पर्यावरण संरक्षण एवं पौधारोपण के क्षेत्र में जागरूकता व उत्कृष्ट योगदान के लिए ग्रीन लिटिल बेबी श्रेया कुमावत को प्रतिष्ठित रेक्स कर्मवीर चक्र पुरस्कार (कांस्य) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र की साझेदारी में एनजीओ के अंतरराष्ट्रीय परिसंघ (ICONGO) द्वारा प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उन वास्तविक नायकों को मान्यता देता है जिन्होंने सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए असाधारण समर्पण और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है।

रेक्स कर्मवीर ग्लोबल फेलोशिप और कर्मवीर चक्र पुरस्कार उन व्यक्तियों को सम्मानित करते हैं जो आगे बढ़कर सीखते हैं और समाज में अधिक योगदान देते हैं। यह पुरस्कार हर वर्ष नवंबर के मध्य में व्यक्तियों और संगठनों को सक्रियता, शिक्षा, स्वयंसेवा और स्वास्थ्य सेवा जैसी व्यापक श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं। कर्मवीर चक्र पुरस्कार एक वैश्विक नागरिक सम्मान है, यह पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने पुरस्कारों के लिए राजदूत बनने और अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक ओलंपियाड के लिए प्रस्ताव दिया था। रेक्स कर्मवीर चक्र पुरस्कार केवल एक सम्मान नहीं है; यह सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए एक भावना, एक मानसिकता और सक्रिय व्यवहार का प्रतिनिधित्व करता है। वे ऐसे व्यक्तियों को पहचानते हैं जो परिवर्तन लाने और दुनिया में बदलाव लाने की भावना को मूर्त रूप देते हैं। भीलवाड़ा के शाहपुरा निवासी संतरा देवी-रामधन कुमावत की 12 साल की बेटी श्रेया ने मेहनत और लगन से घर की छत को बगीचा बना दिया। बगीचें में सैकड़ों किस्मों के औषधीय, फल व फूलदार पौधे लगाए।

वह करीब 2 हजार से अधिक लोगों को नि:शुल्क पौधे वितरित कर चुकी है। श्रेया कुमावत ने चेन्नई, नागपुर, बेंगलूरु, जोधपुर, अजमेर, कोलकाता समेत विभिन्न शहरों से कई फूलों की किस्मों के बीज मंगवाएं व कलम, पत्तियों व बल्ब से छत पर बीजारोपण कर पौधे तैयार कर उनके बीज पुन: देश के 12 राज्यों में एक हजार से ज्यादा बीज पार्सल से निशुल्क भिजवा चुकी है। श्रेया कुमावत विभिन्न प्रकार के पर्यावरण जागरुक, प्रेरणादायक संदेश अभियान चलाकर लोगों को जागरूक कर रही है। प्रत्येक खास मौकों, उत्सवों व सेलिब्रेशन पर शहर के प्रोटेक्शन एरिया एवं सार्वजानिक जगहों, देवस्थानों पर लगातार पौधारोपण कर हरित क्रांति का बढ़ावा दे रही है। रेक्स कर्मवीर चक्र पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण के लिए श्रेया कुमावत के अटूट समर्पण का प्रमाण है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्रेया कुमावत को हार्दिक बधाई

अंग्रेजी कविताओं का संग्रह 'केओस' का विमोचन

टिया सिंह कुमावत द्वारा स्वरचित अंग्रेजी कविताओं का प्रथम संग्रह 'केओस' का विमोचन सिटी पैलेस, जयपुर में जयपुर हिस्ट्री फेस्टीवल में किया गया।

टैगोर पब्लिक स्कूल की कक्षा 11 की मेधावी छात्रा 16 वर्षीय टिया सिंह श्री शीतल दिलीप सिंह मारोठिया की पुत्री है। अंग्रेजी में कविता संग्रह 'केओस' लिखकर टिया सिंह ने अपनी विद्ववता का परिचय दिया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से टिया सिंह कुमावत को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना।

दिलीप कुमावत एडवोकेट

बार एसोशिएशन दांतारामगढ़ के संयुक्त सचिव निर्वाचित। बधाई।

अंतर विश्वविद्यालय राज्य स्तर प्रतियोगिता

800 मी. दौड़ में कृष्णा कुमावत को गोल्ड मेडल

डायमंड एकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय, आसलपुर की कक्षा 12 (कला वर्ग) की पुर्व छात्रा कृष्णा कुमावत पुत्री श्री संजय गैदर ने अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में राज्य स्तर की 800 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल जीतकर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित होकर कुमावत समाज का नाम रोशन किया है। बधाई!

किशनगढ़ रेनवाल जिला जयपुर के श्रवन लाल कुमावत बने एडवोकेट बार एसोसिएशन किशनगढ़ रेनवाल के निर्विरोध अध्यक्ष।

खुशी कुमावत का राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए चयन

जयपुर में 12 दिसंबर को आयोजित राष्ट्रीय सब जूनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल में रिकर्व राउण्ड में जोबनेर निवासी राष्ट्रीय तीरंदाज खुशी कुमावत पुत्री सांवर मल कुमावत (पीटीआई) का राजस्थान टीम में स्थान बनाकर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार परिचय देते हुए कुमावत समाज एवं गांव का नाम रोशन किया। तीरंदाज खुशी 2 से 10 जनवरी तक जयपुर में आयोजित 41 वीं राष्ट्रीय सब जूनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप में राजस्थान की रिकर्व राउण्ड महिला टीम से हिस्सा लेगी। खुशी पिछले वर्ष रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित राष्ट्रीय सब जूनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी है। खुशी पिछले कुछ वर्षों से अपने पिता शारीरिक शिक्षक सांवर मल कुमावत के सानिध्य में तीरंदाजी का प्रशिक्षण ले रही है।

दीपामोहन वेलफेयर ट्रस्ट का समारोह सम्पन्न

15 दिसम्बर, 2024 को दीपामोहन वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा ओपन शेल्टर होम (चिल्ड्रन), शिवदासपुरा में स्वेटर एवं स्टेशनरी वितरण तथा भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि चाकसू विधायक श्री रामावतार बैरवा तथा अध्यक्ष श्री कैलाश चन्द शर्मा (पूर्व चेयरमैन, कृ.उ. मण्डी समिति, चाकसू) एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती मधु राठी, आर.के.सी.एल. जयपुर थे। समारोह में 50 बच्चों को ट्रस्ट द्वारा गर्म स्वेटर तथा स्टेशनरी (कॉपी, पेन, पेंसिल तथा शॉर्पनर) वितरित किए गए। विधायक चाकसू, श्री रामावतार बैरवा ने RSCIT कोर्स के लिए एक कमरा, तीन टॉयलेट तथा 300 मीटर सीसी रोड बनाने के लिए विधायक कोटे से 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। कार्यक्रम में विनोद अग्रवाल, सीताराम मीणा, सी.एम. कुमावत, भारती कुमावत, अनुराग शर्मा, मदनलाल, ममता शर्मा, लता शर्मा व शिवदासपुरा सरपंच उदयनारायण मीणा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दीपामोहन वेलफेयर ट्रस्ट (रजि.) अनाथ, जरूरतमंद, बेसहारा बच्चों के लिए समर्पित है तथा शिवम नगर, चंदलाई रोड, शिवदासपुरा में अनाथ बच्चों के लिए शेल्टर होम तथा उनकी शिक्षा की व्यवस्था कर रहा है। जिसके संस्थापक अध्यक्ष श्री मोहनलाल कुमावत हैं जो राजस्थान लेखा सेवा के अधिकारी रहे हैं।

सम्मानित हुई टीम चेतन धुंधारिया

जयपुर। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राज्य स्तरीय 100 दिवसीय अभियान का शुभारंभ अकादमिक ब्लॉक, एसएमएस हॉस्पिटल में किया गया। टीम चेतन धुंधारिया को ''प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान'' के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया गया।

माननीय मन्त्री श्री जोराराम कुमावत को '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की प्रति भेंट की गयी।

जेतारण (पाली) में समाज की प्रतिभाओं का सम्मान हुआ। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री जोराराम जी कुमावत, विधायक श्री डूंगर राम गेदर जी, राज्य मंत्री (पूर्व अध्यक्ष माटी कला बोर्ड), प्रहलाद रॉय टाक जी, पीसीसी पूर्व सचिव राजेश कुमावत, RAS रोहित पटेल, ऑडीटर भारत सरकार पवन गोयल जी, भाजपा प्रदेश मन्त्री डॉ महेन्द्र कुमावत, डॉ. ललित जालवाल, सरपंच गोपाल कुमावत जी , रोशन आदि ने भाग लिया।

62 गांव 4 चौखला का हुआ मान-सम्मान

करेड़ा। समाज का मान सम्मान रीति रिवाज की परंपरा जीवित रखना एक बड़ी पहल है समाज के लक्ष्मी लाल कुमावत ने बेलिया का खेड़ा में गुरुवार को कुमावत समाज सम्मान समारोह किया लक्ष्मी लाल कुमावत ने बताया कि समाज का मान सम्मान करना एक गौरव की बात गुरुवार को चार चौकला 62 गांव के 500 कार्यकर्ताओं का मान-सम्मान कर समाज में एक अच्छी ओर नई शुरुआत की। 62 गांव अध्यक्ष ऊंकार लाल कुमावत ने सभा में कहा कि समाज अगर संगठित रहेगा तो विवाद नहीं होगा, समाज का कार्य निष्पक्षता से करना चाहिए समाज में होने वाली कुरीतियों को खत्म कर, बच्चों की शिक्षा पर अधिक ध्यान देवे जिससे आने वाले समय में हर विभाग में समाज का व्यक्ति रहे तथा समाज के लोगों में होने वाली समस्याओं का निवारण समय पर हो सके। विगत 20 वर्षों में समाज में शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ा है। 62 गांव अध्यक्ष ऊंकार लाल कुमावत मटुनिया, अध्यक्ष गोपी लाल पिलोदिया बागोलीया, अध्यक्ष शंकरलाल कुमावत, थला अध्यक्ष देवीलाल नागोरा, चावंडिया अध्यक्ष रामेश्वर लाल पिलोदिया सहित चार चोखला की कार्यकारिणी ओर ग्रामीण जन व महिलाएं उपस्थित थी।

क्षत्रिय कुमावत समाज विवाह समिति की बैठक आयोजित, सामूहिक विवाह सम्मेलन पर की चर्चा

त्रिवेणीधाम में क्षत्रिय कुमावत समाज विवाह समिति की बैठक बंशीधर कुमावत की अध्यक्षता में हुई। आगामी 6 अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने पर चर्चा की गई। कोषाध्यक्ष मोहनलाल कलाकार ने धर्मशाला के सामने नवनिर्माण कार्य का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। बैठक में समाज सुधार सहित कई मुद्दों पर चर्चा करते हुए विवाह सम्मेलन के लिए विवाह योग्य युवक-युवतियों का पंजीयन करवाने पर जोर दिया। समिति अध्यक्ष अशोक मारवाल पावटा ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन की रूपरेखा बनाने के लिए 30 दिसंबर की बैठक रखी गई है।

जोबनेर रक्तदान शिविर में 344 यूनिट ब्लड एकत्र

कस्बे की भूतिया अतिथि गृह में राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में 12वें रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में मेडिकल टीम द्वारा रक्तदान शिविर में 344 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। फाउंडेशन निदेशक सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र प्रसाद नागा ने कहा की जरूरतमंद लोगों को रक्त की आवश्यकता होने पर उपलब्ध रक्त ही जीवन को बचा सकता है। ड्रग्स कंट्रोलर ऑफिसर (डीसीओ) राम प्रसाद कुमावत ने रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए कहा की स्वस्थ व्यक्ति को समय समय पर रक्तदान करने से स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। इस अवसर डीसीओ राम प्रसाद कुमावत व कोमल रूप चांदनी ने रक्तदान शिविर में युवाओं की सक्रियता की सराहना की। इस मौके पर दहमीकलां सरपंच गणेश कुमावत, भाजपा मंडल अध्यक्ष जोबनेर पंकज जोया, व्यापार मंडल अध्यक्ष कल्याणमल कुमावत, मेडिकल एसोसिएशन अध्यक्ष सुभाष नागा, दीपक कुमावत आदि ने रक्तदाताओं को सम्मानित किया।

''वन नेशन वन इलेक्शन'' को केबिनेट की मंजूरी

लोकसभा के साथ सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव कराने के लिए 'वन नेशन वन इलेक्शन' प्रस्ताव को केन्द्रीय केबिनेट ने 11 दिसम्बर, 2025 को मंजूरी दे दी है।

इसकी रिपोर्ट पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने विभिन्न राजनैतिक दलों से सुझाव लेकर 191 दिनों में तैयार की थी। रिपोर्ट में 543 लोकसभा और सभी राज्यों की 4130 विधानसभा सीटों पर एक साथ चुनाव कराये जा सकेंगे। इससे मतदाता, सांसद, विधायक और स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि चुनने के लिए एक ही दिन, एक ही समय पर अपना वोट डाल सकेंगे। इससे आये दिन हो रहे चुनावों के कारण लम्बी आदर्श आचार संहिता रहती है। यह पास होता है तो समय, मैन पॉवर, धन की बचत हो सकेगी तथा देश में विकास के कार्यों को गति मिल पायेगी। सरकार ने इसका बिल लोकसभा में पेश कर दिया जिसे 198 के मुकाबले 269 मत मिले। इसे अब जेपीसी को भेज दिया है।

देश में 1952, 1957, 1962 तथा 1967 के आम चुनावों में लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हो चुके हैं। अभी वन नेशन वन इलेक्शन दक्षिण अफ्रीका, स्वीडन, जर्मनी, बेल्जियम, फिलीपींस में लागू है। अमेरिका में राष्ट्रपति, कांग्रेस तथा सीनट के चुनाव एक साथ होते हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति और नेशनल असेम्बली चुनाव कराये जाते हैं। स्वीडन में संसद और स्थानीय सरकार के चुनाव एक साथ होते हैं।

वन नेशन वन इलेक्शन लागू करने में चुनौतियां

- देश के सभी दलों में इस पर सहमति नहीं। क्षेत्रीय दल इसके ज्यादा विरोधी हैं।
- EVM तथा VVPET की उपलब्धता फिलहाल कम है।
- चुनाव के लिए इतने कार्मिकों व सुरक्षा बलों की व्यवस्था करना मुश्किल है।
- बीच में सदन भंग हो सकता है, ऐसी स्थिति में क्या होगा?
- इसे लागू करने से पूर्व संवैधानिक संशोधन करना अत्यधिक चुनौतिपूर्ण होगा।

32 राजनैतिक पार्टियों ने इसका समर्थन किया है तो 15 ने विरोध किया है, कांग्रेस, आप, बसपा तथा माकपा ने प्रस्ताव का विरोध किया है। वहीं टीएमसी, AIMIM, भाकपा, द्रमुक, नागा पीपुल्स फ्रंट और सपा जैसे क्षेत्रीय दल इसके विरोधी हैं।

'एक देश-एक चुनाव' लम्बी बहस तथा आरोप-प्रत्यारोप के बाद यह पारित हो पायेगा तथा राज्य विधानसभाओं में भी पारित कराकर वर्ष 2029 से लागू करने की सरकार की मंशा है। यह लागू होता है तो देश के हित में होगा ऐसा आमजन का भी मानना है।

सवाईमाधोपुर मदन मोहन मंदिर में सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा कार्यकारिणी ने शपथ ली

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा रजिस्टर्ड सवाई माधोपुर के पदाधिकारियों का को शपथ ग्रहण एवं पद दायित्व कार्यक्रम का आयोजन कुमावत समाज के शहर स्थित मदन मोहन मंदिर में किया गया। मुख्य अतिथि रामेश्वर बंबोरिया राष्ट्रीय अध्यक्ष, रूप सिंह कारगवाल राष्ट्रीय महामंत्री, सौभाग्यमल भड़ानिया जयपुर शहर महामंत्री, मुकेश खोखवाल टोंक निवाई अध्यक्ष ने भाग लिया। सर्व कुमावत महासभा के जिलाध्यक्ष विष्णु दोराया, महामंत्री दिनेश उदयवाल को नियुक्ति पत्र देकर सामाजिक गतिविधियों, समाज सुधार, सामाजिक एकता का परिचय देते हुए संगठन को मजबूत करने की बात कही। इस अवसर पर कुमावत समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यनारायण खोवाल, बैनी प्रसाद शिरोटा, जिला महामंत्री धर्म वीर कुमावत, नारायण काकरवाल, नवीन शिरोटा, भैरूलाल, गोविंद कुमावत, पवन डेटवाल, रामप्रसाद कुमावत, अर्पित कुमावत, रवि दोराया सहित बड़ी संख्या में कुमावत समाज के लोग उपस्थित रहे।

'कलर्स इन मोशन' में अरुण कुमावत ने ढाई घंटे में बनाया आमेर महल का नाइट व्यू

जयपुर स्थापना दिवस पर आमेर महल का नाइट व्यू वॉटर कलर्स के माध्यम से मंच पर लाइव देखने को मिला और राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट के स्टूडेंट्स इसके गवाह बने। मौका था राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर की आर्ट गैलरी में आयोजित एग्जीबिशन 'कलर्स इन मोशन' का। इसमें राजस्थान के 21 कलाकारों ने करीब 100 वॉटर कलर पेंटिंग्स को प्रदर्शित किया है।

यह थीम बेस्ड पहली एग्जीबिशन है, जिसमें केवल वॉटर कलर्स पर काम करने वाले कलाकारों को मौका दिया गया है। जयपुर स्थापना दिवस के मौके पर एग्जीबिशन में बीकानेर के आर्टिस्ट अरुण कुमार कुमावत ने आमेर फोर्ट के नाइट सीन का लाइव डेमॉस्ट्रेशन दिया। ढाई घंटे में इसे तैयार किया। इस एग्जीबिशन में अरुण ने 5 अन्य पेंटिंग्स को भी प्रदर्शित किया है, जो हेरिटेज बिल्डिंग्स को दर्शाती हैं। इस आर्ट के लिए आर्टिस्ट खुद लोकेशन का विजिट करते हैं और वहीं बैठकर आर्ट तैयार करते हैं।

एकलिंगजी मंदिर में दर्शनार्थियों के लिए ड्रेस कोड लागू

मिनी स्कर्ट, नाइट सूट पहनने की अनुमति नहीं

मेवाड़ के आराध्यदेव एकलिंगजी मंदिर में अब दर्शनार्थी छोटे कपड़े पहन कर दर्शन नहीं कर सकेंगे। मंदिर की ओर से कपड़ों और मोबाइल को लेकर नए नियम लागू किए गए हैं। नए नियम अंतर्गत भक्त छोटे कपड़े (मिनी स्कर्ट, बरमूडा) और नाइट सूट पहन कर दर्शन नहीं कर पाएंगे, वहीं मोबाइल ले जाने पर भी पाबंदी लगा दी गई है। मंदिर प्रबंधन की ओर से नए नियमों को लेकर परिसर में बैनर लगा दिया गया है। मंदिर कमेटी के नए नियमों में मंदिर की पवित्रता बनाए रखने का आग्रह किया गया है।

एक वर्ष पूर्व जगदीश मंदिर में लगाई थी रोक : उदयपुर शहर के ऐतिहासिक जगदीश मंदिर में एक वर्ष पूर्व टी शर्ट, शॉर्ट जींस, बरमुडा, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट पहनकर जाने पर रोक लगाई गई थी। ऐसा भक्तों को हिंदू संस्कृति के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया था, हालांकि विवाद बढ़ने के बाद देवस्थान विभाग की टीम ने वहां लगे सभी पोस्टर-बैनर हटवाए थे।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ 11 जनवरी को

रामलाल मंदिर के समस्त कार्यक्रम हिन्दू पंचांग की तिथियों अनुसार आयोजित होते हैं। अत: भारतीय परम्परा के अनुसार रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ 11 जनवरी, 2025 (पोष शुक्ल द्वादशी) के दिन 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के रूप में मनाई जायेगी। इस अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन होगा।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव श्री चंपकराय के अनुसार परिसर में बन रहे सभी 18 मंदिरों का निर्माण तीव्र गति से चल रहा है तथा समय पर पूर्ण होगा। राममंदिर का गूढ़ मण्डप भी पूर्ण होने को है तथा प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना का कार्य भी शीघ्र शुरू हो रहा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर सभी सनातनियों को बधाई।

दहेज मुक्त विवाह संदेश से खारिया में आई जागरूकता, बिना दहेज के करवाया विवाह

खारिया सरपंच एवं दादरवाल परिवार की पहल बनी समाज में प्रेरणा

कुचामनसिटी। खारिया गांव में हाल ही में संपन्न हुए दहेज मुक्त विवाह ने सामाजिक बदलाव की दिशा में एक नई लहर पैदा कर दी है। दुबई प्रवासी ओमप्रकाश सोकल, जो व्यवसायी मोहनलाल दादरवाल चेयरमैन न्यू मॉडर्न एजुकेशन ग्रुप, कुचामन के प्रबंधक सदस्य भी है, ने अपने परिवार के लिए सादगी और समानता पर आधारित विवाह का चयन कर समाज को प्रेरणा दी। इस पहल को खारिया सरपंच डॉ. देवीलाल दादरवाल की प्रेरणा ने और अधिक सार्थक बना दिया । डाकिड़ा कुआं पर आयोजित इस समारोह में ओमप्रकाश सोकल की सुपुत्री मोनिका का विवाह मीठड़ी निवासी सुरेश कुमार (भारतीय सेना) के साथ और दूसरी सुपुत्री सोनू का विवाह मौलासर निवासी राकेश के साथ संपन्न हुआ। इन विवाहों में केवल एक रुपया और नारियल के सगुन से संबंध जोड़े गए। इस समारोह में कई विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया, जिन्होंने इस सामाजिक पहल की सराहना की। पंचायत सदस्यों, समाजसेवियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विवाह में उपस्थिति दर्ज कराकर इसे एक ऐतिहासिक घटना बना दिया। उनकी उपस्थिति ने इस आयोजन की प्रतिष्ठा और प्रभाव को और अधिक बढ़ाया।

ग्राम पंचायत का सकारात्मक असर

इस पहल का असर अब खारिया गांव और आसपास के क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। समाज के लोग इस दिशा में प्रेरित होकर दहेज मुक्त विवाह की परंपरा को अपनाने का समर्थन कर रहे हैं। खारिया सरपंच डॉ. देवीलाल दादरवाल ने कहा, यह पहल समाज में समानता और आत्मसम्मान को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत कदम है। इस बदलाव का स्वागत कर समाज को कुरीतियों से मुक्ति दिलाना हमारी जिम्मेदारी है।

युवाओं के लिए संदेश

इस आयोजन ने विशेष रूप से युवाओं को प्रेरित किया है। डॉ. देवीलाल दादरवाल ने कहा, ''आज का युवा ही दहेज प्रथा को समाप्त करने में सबसे बड़ी भूमिका निभा सकता है। यह समय है। जब युवा अपने विचारों और कर्मों से समाज को नई दिशा दें।''

महिलाओं की भूमिका

इस विवाह में ग्रामीण महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में भाग लिया और स्थानीय गीतों के साथ मायरे को एक सांस्कृतिक उत्सव का रूप दिया। उनकी सक्रियता और समर्थन ने इस आयोजन को और अधिक प्रभावशाली बना दिया। यह दिखाता है कि महिलाएं समाज सुधार की दिशा में कितना बड़ा योगदान दे सकती हैं।

पहल का भविष्य दृष्टिकोण

यह पहल आने वाले समय में एक व्यापक सामाजिक आंदोलन का रूप ले सकती है। इस तरह के आयोजन न केवल दहेज प्रथा को खत्म करने में सहायक होते हैं, बल्कि वे समाज में सादगी और आत्मसम्मान की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं।

संजय मलहोत्रा आर.बी.आई. गवर्नर नियुक्त

वित्त मंत्रालय में सचिव संजय मलहोत्रा को तीन वर्ष के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का 26वां गवर्नर नियुक्त किया गया है। ये 1990 बेंच के राजस्थान कैडर के (IAS) हैं तथा इन्हें वित्त, टेक्सेसन, आई.टी., माइंस और ऊर्जा सेक्टर में काम करने का अच्छा अनुभव है। इन्होंने वित्त सुधारों व बैंकिंग सेक्टर को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

संजय मूर्ति बने नये सीएजी

1989 बेच के आंधप्रदेश केडर के आई.ए.एस. अधिकारी संजय मूर्ति को भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक नियुक्त किया गया है। ये गिरीश चन्द्र मुर्मू का स्थान लेंगे।

बार एसोसिएशन जोबनेर से एडवोकेट अशोक कुमार कुमावत को निविरोध अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई

जिला प्रशासन टोंक और अंजुमन सोसायटी खानदान - ए - अमीरिया द्वारा आयोजित टोंक महोत्सव में खूब चला कविता का जादू।

सेवा मनुष्य का आवश्यक धर्म-कर्त्तव्य

सेवा, जीवन को उत्कृष्ट और पूर्ण बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। ऐसे मनुष्यों की समाज में सर्वथा अभाव नहीं है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा, पुरुषार्थ, प्रयत्न एवं प्रारब्ध से सांसारिक सुख उपलब्ध कर लिये हैं। स्वास्थ्य, संतान, सामाजिक प्रतिष्ठा, संपन्न परिवार, विद्वता आदि उपलब्धियों से संपन्न व्यक्ति काफी संख्या में मिल सकते हैं, जिन्हें पर्याप्त मात्रा में भौतिक सुख-सुविधाएँ प्राप्त है।

किंतु ऐसे सुखियों से भी यदि सच्चाई के साथ बतलाने का अनुरोध किया जाय तो निश्चय ही वे यही कहेंगे कि उन्हें कोई दु:ख तो अवश्य नहीं है, फिर भी इस सुख में एक अभाव, एक अतृप्ति खटकती रहती है। कुछ ऐसा अनुभव होता रहता है, जैसे हमें वह सुख, वह तृप्ति नहीं मिल रही है, जो मिलनी चाहिए। इस अभाव, इस खटक और इस अतृप्ति का कारण खोजने पर भी नहीं मिलता है।

नि:संदेह इस प्रकार की एक अतृप्ति बड़े से बड़े सुखी व्यक्ति में रहा करती है। यह अभाव, अतृप्ति उसकी आत्मा की माँग होती है, जो पूरी नहीं की जाती है। संसार के सारे सुख इंद्रियजन्य अथवा शारीरिक ही होते हैं। शरीर का अंश न होने से आत्मा की तृप्ति उससे नहीं होती। आत्मा की यही अतृप्ति सुखी व्यक्ति को भी अभाव बनकर खटकती है।

शरीर को जहाँ भौतिक सुविधाओं और साधनों का सुख मिलता है, वहीं आत्मा को परमार्थ में सुखानुभूति होती है। जब तक परमार्थ द्वारा आत्मा को संतुष्ट न किया जायगा, उसकी माँग पूरी न की जायगी, तब तक सब सुख-सुविधाएँ होते हुए भी मनुष्य को एक अभाव, एक अतृप्ति-व्यग्र करती ही रहेगी। शरीर अथवा मन को संतुष्ट कर लेना भर ही वास्तव में सुख नहीं है। वास्तविक सुख है-आत्मा को संतुष्ट करना, उसे प्रसन्न करना।

आत्मा को सुख का अनुभव आनंद की अनुभूति का एक मात्र साधन है-परमार्थ। परमार्थ का व्यवहारिक स्वरूप है सेवा, जो काम उच्च और उज्ज्वल उद्देश्य की पूर्ति के लिए किये जाते हैं, वे परमार्थ हैं। जिन कार्यों से आत्मा का विकास सधता हो, वह परमार्थ है। यद्यपि परमार्थ का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, पर सामान्यत: उसका सर्व सुलभ रूप किसी न किसी रूप में दूसरों की सेवा ही माना जाता है। इसलिए सेवाभावी का जीवन ही सफल और सार्थक कहा जाता है।

संदर्भ : सेवा मनुष्य का आवश्यक धर्म-कर्त्तव्य

- पं श्रीराम शर्मा आचार्य

समय से विवाह करना समझदारी का काम

सरकारी नौकरी वाले लडके की तम्मना छोड दे, क्योंकि आजकल सरकारी नौकरी वाला लडका भी सरकारी नौकरी बाली लड़की ही ढूंढता है। वैसे भी समाज में सरकारी नौकरी वाले लडके बहुत ही कम मिलते हैं। मैंने देखा है ग्रुपों में अधिकांश लोग बायोडेट में लिखते है केवल सरकारी नौकरी वाले ही सपर्क करें। इससे वे अच्छे संस्कार वाला परिवार अपने हाथों से खो देते हैं। कुछ लड़की या लड़के वाले अपने वेतन या समकक्ष योग्यता वाले लड़के या लड़की चाहते है जिसके कारण लड़के और लकड़ी की उम्र बढ़ती चली जाती है यह जरूरी नही है वि वेतन या योग्यता के समकक्ष लड़की या लड़का मिले। कहीं न कहीं समझौता करना पड़ेगा। ज्यादा सोच-विचार न करे, जहाँ अच्छा वर-वधु मिले तुरंत विवाह करें। बाकी लडके या लडकी के किस्मत पर निर्भर करता है। अच्छा होगा तो भी आप कुछ नहीं कर सकते है और बुरा होगा तो भी आप कुछ नहीं कर सकते है।

ज्यादा उम्र होने पर लड़के गंजे भी मिलते है और लडकियों के चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती है। 27 तक लड़के की उम्र ठीक हैं और लडकी की उम्र 25 तक ठीक है। इससे ज्यादा उम्र में शादी करना बच्चों को अंतर्जातीय विवाह की ओर अग्रसर करना है।

कई समझदार लोग अच्छे रिश्ते जानबूझ कर कुंडली मिलान ना होने का बहाना बना कर भी ठुकरा देते हैं।

कई समझदार लोग अच्छे व संस्कारवान, व्यवसाय करने वाले या प्राईवेट कम्पनियों में काम करने वाले होनहार रिश्तों को भी थोड़ा कम स्मार्ट होने, थोड़ा मोटा या दुबला होने की कमी निकाल कर, आमदनी कम बताकर रिश्ता छोड़ कर जीवन भर पछताते हैं।

आखिर आपको अपनी मर्जी के अनुरूप सर्वगुण सम्पन्न लड़का या लड़की नहीं मिल सकते क्योंकि सर्वगुण सम्पन्न तो ईश्वर ही हो सकता है। आज जो रिश्ता आपको मिल रहा है वहीं रिश्ता आपको कल नहीं मिलने वाला जो मिल रहा है यदि वह संस्कारित खानदानी परिवार है, तो रिश्ता करने में देरी मत करिये। अमीर को गरीब और गरीब को अमीर होते देर नहीं लगती।

बेटे या बेटी के विवाह के बाद भी भाग्य रेखा खुलती देखी गयी है।

कहा जाता है, तीन चीजें कभी लौट कर नहीं आती-

(1) आयु, (2) सुअवसर और (3) भाग्य ! इसलिए बच्चों के शादियों के रिश्ते में अनावश्यक कमियां नहीं देखे, अच्छे तथा और अच्छे रिश्तों के चक्कर में समय नहीं गवाएं। इसी में समझदारी है।

- सुशांत

ईश्वर/आत्मा के रूप का दर्शन है

ईश्वर या आत्मा के बारे में जब ही हम बहस करते है तो अज्ञानतावश ईश्वर/आत्मा को संज्ञा मानकर उसके अस्तित्व को सिद्ध करने में उलझ जाते हैं।

जबकि वास्तव में न ही सृष्टिकर्ता ईश्वर संज्ञा (Noun) है, न ही मानवमात्र में स्थित आत्मा संज्ञा है। अत: इनके रूप का दर्शन साक्षात् न हो कर मानव स्वयं ही शरीर में एहसास (Feelings) के रूप में कर सकता है। श्रीमद्भगवद्गीता में ईश्वर के स्वरूप को सच्चिदानंद रूपाय कहा गया है। यानि सत्/परम सत्य (Eternal Truth) को चित्त/अन्तर्मन (Sub-conscious Mind) में धारण करनें में जो परम आनंद का एहसास होता है, वही ईश्वर/आत्मा के रूप का दर्शन है।

हर मानव के अन्तर्मन में सत्य का उतारने की प्रक्रिया में हमें हमारे अन्तर्मन में निहित रा़ग, द्वेष, ईर्ष्या, अहंकार, क्रोध, लोभ आदि तर्क आधारित (Logic Based) भावों को हटाने के लिए सत्य की निरन्तर साधना करनी पड़ती है।

यह साधना ज्ञान, कर्म एवं भक्ति योग के निरन्तर अभ्यास के रूप में की जा सकती है। जैसे बालक ध्रुव, प्रह्लाद ने अपने बचपन में ही कर ली थी या जैसे मीरा, नानक, कबीर, तुलसीदास आदि संतों ने अपने बाद की अवस्था में की।

रा़ग एवं द्वेष जैसे नकारात्मक भावों को अन्तर्मन से हटाने के लिए योग की साधना सबसे ज़्यादा कारगर सिद्ध हुई है। भगवान बुद्ध ने विपश्यना ध्यान साधना द्वारा, भगवान महावीर ने प्रेक्षा ध्यान साधना एवं पतंजलि ने अष्टांगिक योग साधना का मार्ग अपनाते हुए अपने में परम आनंद के दर्शन किये यानि स्वयं सच्चिदानंद स्वरूप हो गये। गौतम ने अपने में सच्चिदानंद दर्शन किये और प्रबुद्ध (Enlighten) हो गये एवं बुद्ध कहलाये एवं वर्द्धमान ने राग, द्वेष की नकारात्मकता को नष्ट कर स्वयं के सच्चिदानंद स्वरूप का दर्शन कर कैवल्य प्राप्त किया तथा महावीर बन गये।

टके टके की नूत के रिश्ते

पश्चिम संस्कृति की आँधी ने सबसे ज्यादा प्रहार हमारे रिश्तों की प्रगाढ़ता पर किया है। प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं साहित्य में वर्णित वो चाहे श्रवणकुमार का माता-पिता का रिश्ता हो, राम एवं सीता का पति पत्नी का रिश्ता हो, राम , लक्ष्मण एवं भरत का भाई-भाई का रिश्ता हो, कृष्ण एवं सुदामा का मित्र का रिश्ता हो भारतीय जन-मानस के लिए दर्पण का काम करते थे, यही उनके आदर्श थे। यानि भारतीय जन मानस रिश्तों की असीमता के सिद्धान्त को जीवन में उतारकर असीम सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करते हुए असीम आनंद प्राप्त करते थे, चाहे उनके पास आजकल के भौतिक संसाधन कुछ भी ना रहे हो।

आजकल पश्चिम की नक़ल, जहाँ सभी रिश्ते वाणिज्यिक (Commercial) हैं, से हमारे सभी तरह के रिश्तों में ज़बरदस्त ह्रास हुआ है। मारवाड़ी में कहा जाय तो 'टके टके की नूत' के रिश्ते हो गये हैं। पश्चिम में जहाँ शादी से पहले ही तलाक़ होने के बाद बँटवारे की शर्तें तय हो जाती हैं जबकि भारतीय प्राचीन साहित्य में तलाक़ / Divorce के समकक्ष कोई शब्द ढूँढने को नहीं मिलता था। क्योंकि शादी को सात जन्म का रिश्ता समझा जाता था। ऐसे ही पश्चिम में माता-पिता एवं बच्चों के बीच वाणिज्यिक रिश्ते होने से उनमें प्रगाढ़ता ख़त्म हो गई है।

मैंने यहां रिश्तों में असीमता के सिद्धान्त को प्रतिपादित करने का प्रयास किया गया है। जिसके अनुसार यदि रिश्तों से हमें सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करनी है तो रिश्तों को असीम (Limitless) बनाओ अथवा चित्त की गहराइयों से मानो। यानि रिश्तों में वाणिज्यिकता को पास में मत फटकने दो। जीवन में रिश्तों में असीमता के सिद्धान्त को अपनाकर जीवन में असीम सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त कर असीम आनंद प्राप्त करो।

अध्यात्म...

तुलसीदासजी की हनुमानजी से बल, बुद्धि और विद्या की प्रार्थना

बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरौं पवन-कुमार।
बल बुधि बिद्या देहु मोहिं, हरहु कलेस बिकार॥

अर्थात् - हे पवन कुमार ! मैं आपको सुमिरन करता हूँ। आप तो जानते ही हैं कि मेरा शरीर और बुद्धि निर्बल है। मुझे शारीरिक बल, बौद्धिक ज्ञान दीजिए और मेरे दु:खों व दोषों का नाश कर दीजिए!

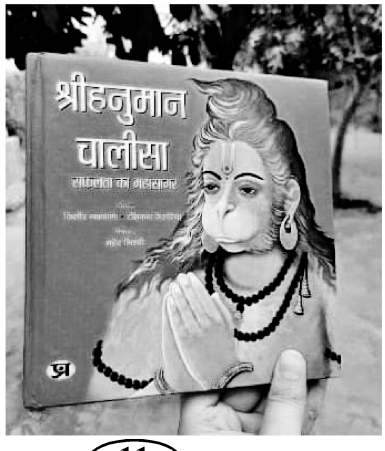

सन्देश - तुलसीदासजी ने हनुमानजी के पास बल, बुद्धि और ज्ञान माँगा है। तुलसीदासजी अत्यंत विद्वान हैं, परन्तु स्वयं को अज्ञानी मानते हैं। अपने आपको बुद्धिहीन जानकर ही भगवान की भक्ति कर और ज्ञान प्राप्त करें। अभिमान की हानि होती है। आज के युग में बुद्धि और शक्ति आवश्यक हैं। विश्वसनीयता, समर्पण और कड़ी मेहनत बहुत महत्व रखती है। वही तुलसीदासजी ने मन के विकास और द्वंद्व तथा मानसिक संताप को दूर करने की बात कही है। मानसिक संताप और विकारों में फँसा मनुष्य कभी सुखी या सफल नहीं हो सकता।

नव वर्ष 2025: एक नई शुरुआत की ओर....

नव वर्ष, भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। हर साल की शुरुआत हमारे जीवन में एक नई उम्मीद, नए संकल्प और नए अवसरों के साथ होती है। 2025 का नव वर्ष, एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा, जो हम सभी के लिए एक सकारात्मक और प्रेरणादायक वर्ष बनने की उम्मीद रखता है।

नव वर्ष का आरंभ न केवल एक कालक्रम का परिवर्तन है, बल्कि यह हमें हमारे जीवन की दिशा, उद्देश्य और आकांक्षाओं पर पुन: विचार करने का अवसर भी प्रदान करता है। भारतीय पंचांग के अनुसार, नव वर्ष का आगमन विभिन्न तिथियों पर मनाया जाता है। उदाहरण के लिए, हिंदू कैलेंडर में कई क्षेत्रों में चैत्र माह की शुक्ल प्रतिपदा को नव वर्ष मनाया जाता है, जिसे हम 'हिंदी नव वर्ष' या 'चैत्र शुद्धि प्रतिपदा' के रूप में जानते हैं। 2025 में चैत्र माह की शुक्ल प्रतिपदा, 29 मार्च 2025 को आएगी, जो इस वर्ष का पहला दिन होगा। यही दिन है जब भारतीयों के लिए न केवल नव वर्ष की शुरुआत होगी, बल्कि यह दिन परिवार, मित्रों और समुदायों के साथ नए संकल्पों और शुभकामनाओं के आदान-प्रदान का भी होता है।

नए अवसर और चुनौतियाँ

नव वर्ष 2025 हमसे बहुत कुछ सिखाने के लिए तैयार है। 2024 के बाद जब हम इस वर्ष में प्रवेश करेंगे, तो हमारे सामने न केवल व्यक्तिगत जीवन के नए अवसर होंगे, बल्कि सामूहिक रूप से भी हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। चाहे वह सामाजिक, राजनीतिक या आर्थिक बदलाव हो, नव वर्ष हर क्षेत्र में नई संभावनाओं का द्वार खोलेगा।

इस वर्ष हमें पर्यावरण की रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक समानता के क्षेत्रों में उल्लेखनीय कदम उठाने होंगे। यह समय है जब हमें अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए खुद को और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

नव संकल्प

नव वर्ष का समय एक नई शुरुआत का प्रतीक होता है, और यही समय होता है जब हम अपने जीवन में बदलाव लाने के लिए संकल्प लेते हैं। क्या आपने अपने लिए कोई नया संकल्प लिया है? चाहे वह स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का हो, किसी नई कला या कौशल में दक्षता हासिल करने का, या फिर अपनी मानसिक स्थिति को सुधारने का, नव वर्ष हमें इसके लिए एक बेहतरीन मौका देता है।

विशेष रूप से इस नव वर्ष में, हमें मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना होगा। इस बदलते समय में मानसिक तनाव और चिंता बढ़ रही हैं, ऐसे में हमें अपने जीवन के संतुलन को बनाए रखने के लिए ध्यान, योग, और सकारात्मक सोच को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

नव वर्ष का महत्व केवल व्यक्तिगत नहीं होता, बल्कि यह सामूहिक प्रयासों का भी प्रतीक है। समाज में बदलाव लाने के लिए हमें अपने छोटे-छोटे कार्यों से शुरुआत करनी होगी। चाहे वह स्वच्छता अभियान हो, जरूरतमंदों की मदद करना हो, या फिर शिक्षा और पर्यावरण के लिए कार्य करना हो, हर कार्य महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, 2025 के नव वर्ष में डिजिटल परिवर्तन, नवाचार, और तकनीकी विकास की दिशा में भी बहुत कुछ नया होने की संभावना है। नई तकनीकों और समाधानों से हम अपने जीवन को सरल और बेहतर बना सकते हैं।

''नव वर्ष 2025: आत्मनिर्भरता, सकारात्मकता और सामाजिक बदलाव की ओर कदम बढ़ाएं!''

सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं!

सीमा कुमावत (मारवाल)

उम्मीद

उम्मीद का दीया लिए,
तम की राह चीर कर।

आसमां को छूने को,
चला ये ही उम्मीद कर।।

न होगा कोई साथ में,
अकेले ही करना सफर।

मंजिल है दूर पर,
मुश्किलों से ना डर।।

उम्मीद है ज़हन में,
सफर नहीं आसां मगर।

आसमां के छूने को,
चला ये ही उम्मीद कर।।

होंगी कटीली झाड़ियां,
पथ अंधकार से भरा।

चीरते ही जाना है,
जो मेरी राह में पड़ा।।

बुलंद हो इरादे गर,
आसान है वो हर डगर।

आसमां को छूने को,
चला ये ही उम्मीद कर।।

हिम्मत कभी न हारना,
जगा तू ऐसी चेतना।

न दूजा कोई मुकाम हो,
तपिश भरी है साधना।

है लग्न और साहस अगर,
आयेगा एक दिन जीत कर।

आसमां को छूने को,
चला ये ही उम्मीद कर।।

पृथ्वी राज धमुनिया ।।धरती।।

हिन्दु धर्म-संस्कृति के महान सेवक विवेकानन्द

भारत सरकार ने वर्ष 1984 में स्वामी विवेकानन्द की जयंति 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने की घोषणा की तथा 12 जनवरी, 1985 को पहली बार राष्ट्रीय युवा दिवस मनाना प्रारम्भ हुआ। इसका महत्व है कि ''युवाओं की क्षमता, उत्साह और सम्भावनाओं की सराहना करना'' तथा लक्ष्य है कि ''युवाओं में आत्मनिर्भरता और जागरूकता की भावना जागृत करना।'' इस वर्ष 11-12 जनवरी को भारत मण्डपम, दिल्ली में इसका आयोजन किया जायेगा। इस वर्ष की थीम है **''उठो, जागो और अपनी शक्ति को पहचानो।''**

12 जनवरी 1863 को भारत माँ को विवेकानन्द के रूप में एक उत्साही व्यक्तित्व मिला, जिन्हें धर्म और संस्कृति के महान उन्नायक के रूप में जाना जाता है। इनका नाम नरेन्द्र नाथदत्त था, ये स्वामी रामकृष्ण परमहंस की शिक्षाओं से प्रेरित थे। तत्समय भारत गरीबी और भूखमरी का शिकार था, लोगों को दो वक्त की रोटी नसीब नहीं थी। राष्ट्रवादी भावनाएं और अध्यात्म क्षीण हो चुका था। पिछले 50-60 वर्षों से पादरियों द्वारा ईसाई धर्म का अनथक प्रचार और हिन्दु धर्म की आलोचना से हिन्दू धर्म की नींव हिल चुकी थी। लाखों नवशिक्षित युवाओं का ईसाइयत के प्रति झुकाव हो रहा था। इसके लिए धनबल व शासनबल का सहारा लिया जा रहा था। तब कोई भी साधु, संन्यासी, पुजारी और हिन्दु धर्म गुरु हमारे धर्म पर हो रहे प्रहार को रोकने में समर्थ नहीं थे। तब स्वामी जी ने भारत का भ्रमण किया। लोग उनके उपदेश सुनकर प्रभावित अवश्य हुए पर भारत की गरीबी व भुखमरी को मिटाने के लिए सहायता करने को आगे नहीं आये। स्वामी जी की शिक्षाएं मानवता की सेवा और ज्ञान के महत्व पर जोर देती है जिनमें शक्ति, समर्पण और स्वाभिमान के तत्व होते हैं जो लाखों युवाओं को प्रेरित करते हैं।

स्वामीजी अपने गुरु के आदेश के अनुरूप मातृभूमि का पुनरूत्थान करने को उत्सुक थे। वे कहते थे कि भारतवर्ष को शक्तिशाली बनकर अपनी आध्यात्मिकता द्वारा विश्व विजय करनी चाहिये, पर साधनों की अल्पता से वे उदास हो जाते थे। इसलिए उन्होंने विदेश जाने का निश्चय किया जिससे वहां हिन्दु धर्म के उच्च सिद्धान्तों का प्रचार किया जा सके और विदेश के आध्यात्म प्रेमी भारतवर्ष के प्रति आकर्षित हों। जब वे मद्रास में थे तो उन्हें यह सूचना मिली कि अमेरिका के शिकागो में सर्वधर्मसभा होने वाली है और अभी तक सनातन हिन्दू धर्म की ओर से कोई प्रतिनिधि नहीं गया। स्वामीजी को अपनी अन्तरआत्मा की प्रेरणा हुई कि उन्हें वहां जाना चाहिए और अन्य धर्म वालों के समक्ष हिन्दु धर्म के झण्डे को ऊँचा रखना चाहिए।

राजस्थान के खेतड़ी के राजा ने स्वामीजी के विदेश यात्रा की व्यवस्था की और वे खेतड़ी से जयपुर स्टेशन तक उन्हें छोड़ने आये। उन्होंने ही स्वामीजी को 'विवेकानन्द' नाम रखने का सुझाव दिया। उनके दीवान स्वामीजी को बम्बई तक जहाज में बैठाने आये और वे जहाज से अमेरिका के लिए रवाना हुए। वे शिकागो पहुंचे और 11 सितम्बर को प्रारम्भ हो रहे **'सर्वधर्म सम्मेलन'** में सनातन हिन्दू धर्म के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। वहां हर कोई प्रतिनिधि जहां अपने धर्म की महत्ता सिद्ध करने में लगा था वहीं स्वामीजी पीछे पंक्ति में बैठकर ईश्वर चिंतन में संलग्न थे। जब स्वामीजी की बारी आयी तो उन्होंने अपना परिचयात्मक उद्बोधन **''भाईयों और बहिनों''** से शुरू किया। यह शब्द सुन वहां के गणमान्य अमेरिकी भाव विहोर हो गये और स्वामीजी का तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया जो देर तक बजती रही। (जबकि अन्य प्रतिनिधियों ने उद्बोधन **'लेडिज एण्ड जेंटिलमैन'** से किया था।) तालियों की गड़गड़ाहट शांत होने पर स्वामीजी ने कहा कि मुझे यह कहते हुए गर्व है कि जिस धर्म का मैं अनुयायी हूँ उसने जगत को उदारता और प्राणीमात्र को समझने की भावना दिखलायी है। हमारे पूर्वजों ने अन्याय पीड़ित सभी धर्मावलम्बियों चाहे पारसी हो या यहूदी, आश्रय दिया है तथा वे गौरव के साथ निवास कर रहे हैं। एक सप्ताह बाद स्वामीजी ने सर्वधर्म सभा में 'हिन्दू धर्म' नामक उद्बोधन दिया जिसका प्रारंभ था **अद्वैतवाद सिद्धान्त का रहस्य**, जहां आज विज्ञान पहुंच रहा है। शेष अंश में उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता और सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। इस भाषण ने उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई, उन्होंने हिन्दू धर्म का उच्च मानक स्थापित कर श्रेष्ठता हासिल की। **उन्होंने हिन्दू धर्म की वह सेवा कर दिखायी जिसे सहस्रों साधु, संन्यासी, तिलकधारी, मालाधारी, त्रिपुण्डधारी तथा अन्य कोई धर्मधारी मिलकर भी आजीवन न कर सके।** इससे जहां विदेश में सभी धर्मावलम्बियों के समक्ष हिन्दु धर्म की मान-मर्यादा बढ़ी वहीं भारतीय नव-शिक्षितों की आँखें भी खुल गई। भारतीय धर्म और संस्कृति पर अब कोई भी गर्व कर सकता है।

सुभाष चन्द्र बोस ने विवेकानन्द को आधुनिक भारत का निर्माता कहा। **महात्मा गांधी** ने यह बताया कि विवेकानन्द के कार्यों का अध्ययन करने के बाद अपने देश के प्रति उनका प्रेम कई गुणा बढ़ गया।

राष्ट्रीय युवा दिवस 2025 के अवसर पर निम्न कार्यक्रम होना प्रस्तावित है:-

- प्रधानमंत्री 3000 युवाओं से बात करके विकसित भारत के रोडमैप पर चर्चा करेंगे।
- 21 विश्वविद्यालयों के छात्रावासों में एक माच निकाला जायेगा जिसमें 700 छात्र-छात्राओं-कर्मचारी भाग लेंगे।
- उद्भव : राष्ट्रीय अन्तर विश्वविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता 2025 में ''सरकारी नीतियां भारतीय युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करने में सक्षम हैं,'' विषय पर होगी।
- ''भारत 2047 के आलोक में राष्ट्रीय युवानीति का पुन: प्रारूपण'' विषय पर विवेकानन्द स्वाध्याय मण्डल, पंतनगर एक पंजीकृत व्यावसायिक निकाय ने प्रतिष्ठित दिग्गजों से भाषण देने, पेपर प्रस्तुत करने का आग्रह किया है।
- अनेक संस्थाएं सामुदायिक कार्यक्रम, कार्यशालाएं एवं संगोष्ठियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, यूथ फेस्टिव, निबन्ध प्रतियोगिताएं आदि आयोजित कर युवाओं को जागरूक व एकजुट कर उनकी प्रतिभाओं को निखारने का अवसर देगी।

- रमेश गैदर, सम्पादक

विवेकानन्द-एक महान व्यक्तित्व

राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी को मनाया जाने वाला एक राष्ट्रीय उत्सव है। जी हां, उत्सव इसलिए क्योंकि यह भारतवर्ष में युवाओं के द्वारा युवाओं के लिए मनाया जाने वाला युवाशक्ति से ओतप्रोत एक मात्र दिवस है। राष्ट्रीय युवा दिवस को भारतवर्ष में मनाए जाने की सर्वप्रथम घोषणा सन् 1984 में तत्कालीन सरकार द्वारा की गयी थी। इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य भारत के महानतम समाज सुधारक, विचारक व प्रचारक स्वामी विवेकानन्द जी के आदर्शों व विचारों से देश भर के भारतीय युवाओं को प्रोत्साहित व प्रेरित किया जाना रहा है ताकि वे युवा स्वामी जी के आदर्शों व सिद्धान्तों पर चलकर अपने जीवन को सकारात्मक ऊर्जा व सदाचार तथा सनातन के प्रकाश से उज्ज्वल कर सकें। आज के युवाओं को स्वामी विवेकानन्द के बताए मार्ग पर चलने की अत्यन्त आवश्यता है। एक संक्षिप्त परिचय देते हुए मैं आपको स्वामी जी के बारे में बता दूं कि स्वामी विवेकानन्द का जन्म 1863 में कोलकता में एक कुलीन परिवार में हुआ था। इनका वास्तविक नाम नरेन्द्र नाथ दत्त था। इन्होंने अमेरिका के शिकागो में वर्ष 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन, धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। इनके गुरु का नाम रामकृष्ण परमहंस था। स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस पर ही 12 जनवरी के दिन राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। रामकृष्ण परमहंस के नाम पर इन्होंने रामकृष्ण मिशन व रामकृष्ण मठ की स्थापना की। 4 जुलाई 1902 में स्वामी जी ने 39 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। स्वामी जी अपने उद्देश्यों में सदैव युवाओं को सक्रिय जीवन की उपयोगिता व औचित्य के साथ-साथ पशु पक्षियों, गरीबों व बीमार तथा असहाय लोगों की सेवा व मदद करने के लिए प्रेरित करते थे। उनका मानना था कि मनुष्य मात्र की सहायता करना ही भगवान की सच्ची सेवा है। उनके अनुसार किताबी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं, मनुष्य को जीवन में नैतिक मूल्यों तथा व्यवहारिक आचार-विचार का ज्ञान होना भी नितान्त आवश्यक है। हमारे देश के युवा स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित हों सके, इस उद्देश्य से ही राष्ट्रीय युवा दिवस को भारतवर्ष में मनाए जाने का आह्वान किया गया। इस दिन देश भर में विद्यालयों व कॉलेजों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर सम्पूर्ण भारत में अनेक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं इनमें मुख्यत: भाषण, पाठ, युवा सम्मेलन, प्रस्तुतियां, युवाओं के उत्सव, प्रतियोगिताएं, संगोष्ठियां, खेलकूद, गीत-संगीत प्रदर्शन, योग सत्र आदि का आयोजन किया जाता है। रामकृष्ण मठ व रामकृष्ण मिशन से जुड़ी विभिन्न इकाइयों में इस मौके पर अनेकों कार्यक्रमों का बड़े ही उल्लास व जोश के साथ आयोजन किया जाता है। इसी के साथ देश भर के NGO तथा गैर सरकारी संस्थान भी राष्ट्रीय युवा दिवस को एक उत्सव के रूप में मनाते हैं।

- उर्वशी बालोदिया

जिंदगी को मशीन नहीं बनाए

जिंदगी एक मशीन बन कर रह गई है,
हर पल जैसे खुद से जुदा हो गई है।
दिन शुरू, काम शुरू, बस दौड़ते जाना,
सपनों की फुर्सत में कोई ठिकाना।
रात हुई तो बैटरी डाउन, फिर सो जाओ,
सुबह फिर वही चक्र, दोहराओ।
एक defined task को बस करते जाओ,
जैसे दिल के जज्बात कहीं दबाते जाओ।
अगर कुछ भी program के according नहीं हुआ,
तो समझो, जिंदगी का मकसद अधूरा हुआ।
sideline कर देंगे, जैसे तुम जरूरी नहीं,
सिस्टम के आगे तुम्हारी कोई मजबूरी नहीं।
हर कदम पर खुद को मशीन बनाना,
क्या यही है जीने का बहाना?
'चलो थोड़ा सांस भरें,
फिर से हम इंसान बने।'

-सुरेन्द्र बाबु घोडीवाल

हमारे समाज का युवा और स्वामी विवेकानंद जी के अनमोल विचार

युवा देश का भविष्य होते हैं। किसी भी समाज की उन्नति उनकी युवा शक्ति पर आधारित होती है। बुजुर्ग जहाँ समाज की नींव हैं वहीँ युवा उस नींव पर खड़ी मजबूत इमारत। एक ऐसी मजबूत इमारत जो समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। युवावस्था वह उम्र होती है जब मनुष्य में सर्वाधिक ऊर्जा होती है। यह ऊर्जा यदि उचित दिशा में प्रवाहित हो तो कोई भी समाज उन्नति के शिखर तक पहुंच सकता है। वहीं यदि युवा शक्ति की ऊर्जा का प्रवाह अधोगामी हो जाये तो समाज का पतन निश्चित है।

अत: युवा हमारे देश, समाज के कर्णधार है। लेकिन आज जब हम अपने चारों तरफ नजर दौड़ाते हैं तो युवकों को मोबाइल, नशे, मनोरंजन की दुनिया में खोया हुआ देखते हैं। मानो जैसे जीवन का उद्देश्य ही सुबह उठकर मोबाइल देखना, दिन में Netflix पर series देखना और रात में सिगरेट, शराब के नशे में डूब जाना ही रह गया हो। मैं ये नहीं कहती कि सभी युवा ऐसा करते हैं लेकिन अधिकांश युवा बेरोजगारी की आड़ में अपने आप को इस तरह खत्म करते आपको दिखाई दे जाएँगे। व्यस्तता जिसे एक वरदान समझा जाता था, उसे युवा अब अभिशाप समझने लगे हैं। उन्हें Me time चाहिए, जिसे वो मोबाईल को होम कर देते हैं। शारीरिक रूप से ये पीढ़ी अपने पहले वाली पीढ़ियों में सबसे ज्यादा आलसी, अकर्मण्य और रोगी होती जा रही है।

ऐसे में स्वामी विवेकानंद जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक और समसामयिक लगते हैं।

12 जनवरी को विवेकानंद जी की जयंती को हम **युवा दिवस** के रूप में मनाते हैं। तो आइए, उनके कुछ अनमोल विचारों पर चर्चा करें जिसे अपनाकर हमारी युवा पीढ़ी अपने में परिवर्तन ला सकती है:

1- उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए।

ये विवेकानंद जी का सबसे प्रसिद्ध कथन है। जब तक युवा अकर्मण्यता की नींद में सोया रहेगा कभी सफल नहीं हो पायेगा। आवश्यक है, अपने में शीघ्र से शीघ्र चेतना जाग्रत कर, लक्ष्य प्राप्ति में जुट जाना। कबीर दास जी ने भी कहा है कि:

रात गंवाई सोय के, दिवस गंवाया खाय।
हीरा जन्म अमोल था, कोड़ी बदले जाय॥

अत: समय रहते आलस्य का त्याग कर अपने लक्ष्य प्राप्ति की साधना में जुट जाना आवश्यक है।

2-युवा वही होता है, जिसके हाथों में शक्ति, पैरों में गति, हृदय में ऊर्जा और आंखों में सपने होते हैं।

मनुष्य के जीवन में गोल्डन एज 18 से 30 वर्ष की मानी जाती है। इस समय व्यक्ति ऊर्जा से लबरेज़ होता है। वो चाहे तो पहाड़ों को काट दे, आसमान के सीने में सूराख कर दें। यही तो उम्र होती है कुछ कर गुजरने की, अपने सपनों को सच करने की। लेकिन यदि इसी उम्र में युवा मनोरंजन, भोग-विलास, नशे आदि में डूब जाएगा तो फिर सिर्फ उसी का नहीं पूरे समाज का पतन निश्चित है। अफ़सोस की बात है कि social media ने आज के युवा को एक अलग ही भ्रामक, खोखले स्वप्न की दुनिया में कैदी बना दिया है। ये झूठी दुनिया वास्तविकता से कोसों दूर है। परंतु युवा उसे ही सत्य मान अपनी क्षमताओं का उचित उपयोग नहीं कर पा रहा। इस झूठी मृगमरीचिका से युवा को बचाना आज की सबसे बड़ी चुनौती है।

3- तुम्हें कोई पढ़ा नहीं सकता, कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। तुमको सब कुछ खुद अंदर से सीखना है। आत्मा से अच्छा कोई शिक्षक नहीं है।

बाहरी दबाव से व्यक्ति एक बार कार्य करेगा, दो बार करेगा। परंतु निरन्तरता के लिए स्व प्रेरणा की आवश्यकता होती है। कहते हैं ना घोड़े को तालाब तक ले जाया जा सकता है, परंतु पानी वो तब तक नहीं पियेगा जब तक उसकी खुद की इच्छा नहीं होगी। इसी प्रकार जब तक युवा की अंतरात्मा उसे आगाह नहीं करेगी वो अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पायेगा। अत: आवश्यकता है खुद से कनेक्ट होंने की तभी कुछ सीख पाएँगे।

4- जैसा तुम सोचते हो, वैसे ही बन जाओगे। खुद को निर्बल मानोगे तो निर्बल और सबल मानोगे तो सबल ही बन जाओगे।

सदैव खुद के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए। यदि युवा ठान ले तो उसके लिए कुछ भी असम्भव नहीं है। स्वयं को निर्बल समझना कि ये कार्य मेरे बस का नहीं है, मैं इस प्रतियोगिता परीक्षा को पास नहीं कर सकता, मैं कभी नशे को नहीं छोड़ सकता आदि खुद को कमजोर करने वाले विचारों का यथासंभव परित्याग कर देना चाहिए।

5- सब कुछ खोने से ज्यादा बुरा उस उम्मीद को खो देना जिसके भरोसे हम सब कुछ वापस पा सकते हैं।

कहावत है कि साँस है तो आस है। इंसान को सदैव आशावादी बने रहना चाहिए। उम्मीद की किरण का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए। घोर निराशा के अंधियारे में भी आशा की एक किरण व्यक्ति को हताश नहीं होने देती है। अत: आशा होगी तो सब प्राप्त हो जाएगा। मैथिली शरण गुप्त जी की प्रसिद्ध कविता भी ये ही कहती है-

नर हो, न निराश करो मन को
कुछ काम करो, कुछ काम करो
जग में रहकर कुछ नाम करो
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो
समझो जिसमें यह व्यर्थ न हो
कुछ तो उपयुक्त करो तन को
नर हो, न निराश करो मन को

6- जमीन अच्छी है, खाद अच्छा है, परंतु पानी अगर खारा है, तो फूल खिलते नहीं हैं। भाव अच्छे हैं, कर्म भी अच्छे हैं, मगर वाणी खराब है, तो संबंध कभी टिकते नहीं हैं।

विवेकानंद जी कहते थे कि वाणी की मिठास प्रत्येक रिश्ते के लिए अनिवार्य होती है। वाणी हमारे व्यक्तित्व की परिचायक होती। अत: सबसे विनम्रता और मधुरता से पेश आने का प्रयास करते रहना चाहिए।

7- जो कुछ भी तुम्हें कमजोर बनाता है- शारीरिक, बौद्धिक या मानसिक, उसे जहर की तरह त्याग दो।

युवावस्था में कमजोरी, निर्बलता जैसे शब्दों का कहीं कोई स्थान नहीं है। अफ़सोस है कि घर हो या बाहर युवकों को कमजोर करने के साधनों की कहीं कोई कमी नहीं है। फास्ट फूड से बढ़ता मोटापा हो या मोबाईल प्रेम से बढ़ता सांस्कृतिक पतन। विवेकानंद जी ने सच ही कहा था कि जो भी आपको कमजोर या निर्बल बनाते हैं । ज़हर की तरह उनका परित्याग आवश्यक है।

हम पड़ाव को समझे मंज़िल
लक्ष्य हुआ आँखों से ओझल
वतर्मान के मोहजाल में
आने वाला कल न भुलाएँ
आओ फिर से दिया जलाएँ
अटल बिहारी वाजपेयी

8- जब तक जीना, तब तक सीखना। अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।

स्वयं को सदैव विद्यार्थी समझना चाहिए। अपने अर्जित ज्ञान को पर्याप्त नहीं मानना चाहिए। सीखने की ललक जब तक बनी रहेगी तब तक ही व्यक्ति अपने आप का विकास कर पायेगा।

अत: सीखने का जब भी, जहाँ भी अवसर मिले उसका पूरा पूरा लाभ उठाना चाहिए।

इस प्रकार हम देखते हैं कि विवेकानंद जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक और समसामयिक है। हमारे समाज के युवाओं को इन विचारों को आत्मसात कर स्वयं तथा समाज के विकास का संकल्प लेना चाहिए।

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो
क्या कमी रह गयी, देखो और सुधार करो
जब तक ना सफल हो नींद-चैन को त्यागो तुम
संघर्षों का मैदान छोड़ मत भागो तुम
कुछ किये बिना ही जयजयकार नहीं होती
हिम्मत करने वालों की कभी हार नहीं होती।

- डॉ प्रिया मारवाल, असिस्टेंट प्रोफेसर

महाकुंभ में 100 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए होंगे इंतजाम: सीएम योगी

इस बार 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक हो रहे प्रयागराज महाकुम्भ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की सम्भावना है, लेकिन प्रशासन द्वारा 100 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर मुख्य मुहूर्त में 6 करोड़ श्रद्धालु स्नान करेंगे, लेकिन तैयारी 10 करोड़ की होगी। 12 किमी. के घाट तैयार किए जा रहे हैं। महाकुंभ में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम होंगे और गतिविधि पर नजर रखने के लिए 20 अत्याधुनिक ड्रोन तैनात होंगे, संगम से लेकर मेला क्षेत्र के हर महत्वपूर्ण स्थानों यथा एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, घाट, सड़कों, मंदिर तथा ब्रिज आदि पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। 10 हजार एकड़ क्षेत्रफल में कुम्भ का विस्तार किया गया है। 2700 से ज्यादा हाईडेफीनिशन सीसी टीवी कैमरों के नेटवर्क और एआई संचालित सीसी टीवी इकाइयों का एकीकृत नियंत्रण और कमान केन्द्र से जोड़ा जा रहा है। एक क्लिक पर 25 सेक्टरों के हर कौने की जानकारी अपार सुरक्षा व्यवस्था होगी। गंगा किनारे टैन्ट सिटी में लाखों श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। यहां चार धाम के भी दर्शन होंगे। द्वादश ज्योतिर्लिंग व अन्य प्रमुख ज्योतिर्लिंग के भी दर्शन होंगे। प्रयागराज कुम्भ, खोया-पाया के बारे में एआई टूल, भाषिणी ऐप के माध्यम से भारत की 11 भाषाओं को समाहित करते हुए हर व्यक्ति अपनी भाषा में जानकारी प्राप्त कर सकेगा। कुम्भ में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की काउंटिंग भी सरकार के पास होगी। जीरो लिक्विड डिस्चार्ज, 1.50 लाख शौचालय, यहां सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री रखा गया है। कुंभ में आने-जाने के लिए अनेक शहरों से 1300 रेलगाड़ियां भी चलाई जायेंगी, उनको शीघ्र टिकिट मिले इसकी व्यवस्था भी रेलवे प्रशासन कर रहा है।

बोधकथा

धन से बड़ा बुद्धिबल

शिवगढ़ के राजा **वीरसिंह** की एक मात्र पुत्री **रूपाली** विवाह योग्य हुई तो उसके विवाह के कई प्रस्ताव आए, किन्तु रूपाली ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। वह किसी बुद्धिमान युवक से विवाह करना चाहती थी, इसलिए उसने कहा कि वह उसी से विवाह करेगी जो उसके तीन सवालों के उत्तर दे देगा। राजकुमारी के सवालों के जवाब अनेक युवकों ने दिये, किन्तु कोई उसे संतुष्ट नहीं कर पाया।

एक दिन गुरुकुल में पढ़ने वाले एक युवक ने दरबार में आकर उन प्रश्नों के उत्तर देने की इच्छा व्यक्त की। प्रश्न तथा उनके उत्तर इस प्रकार हैं-

प्रश्न 1. संसार में सबसे गरीब कौन है और सबसे अमीर कौन है ?

उत्तर: दुर्बल मन वाला सबसे गरीब और स्वावलम्बी या साहसी सबसे अमीर है।

प्रश्न 2. संसार में सबसे अज्ञानी और सबसे बुद्धिमान कौन है ?

उत्तर: स्वयं को ज्ञानवान समझकर कुछ भी सीखना, जो व्यक्ति नहीं चाहता वह सबसे अज्ञानी है। सदैव स्वयं को अज्ञानी समझकर सीखने को जो तत्पर रहता है, वह सबसे बुद्धिमान होता है।

प्रश्न 3. संसार में पहली सुबह और अन्तिम शाम कब होगी ?

उत्तर: पूर्व दिशा में एक बहुत ऊँचा पहाड़ था जिसने सूर्य को ढक रखा था। एक चिड़िया ने अपनी चोंच से पहाड़ की चोटी से मिट्टी का एक कण उठाया, तब सूर्य की प्रथम किरण उस कण से खाली हुए स्थान से संसार में आई। वह संसार की पहली सुबह थी और संसार की अन्तिम शाम तब होगी जब चिड़िया पूर्व के पहाड़ से मिट्टी का एक-एक कण ले जाकर पश्चिम में वैसा ही पहाड़ बना देगी।

राजा व राजकुमारी युवक के उत्तर से बहुत प्रभावित हुए और राजकुमारी का विवाह उस युवक से कर दिया। **सार यह है कि धनबल से बुद्धिबल सदैव बड़ा होता है।**

- प्रो. बी.के. कुमावत, उज्जैन

उन्नत स्वदेशी तकनीक

हाईपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण सफल

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप (ओड़ीसा) से लम्बी दूरी की मारक क्षमता वाली हाइपरसोनिक मिसाइल का 16 नवम्बर, 2024 को सफल परीक्षण किया गया। भारत व अमेरिका, रूस व चीन के बाद हाइपरसोनिक मिसाइल कार्यक्रमों के उन्नत चरण वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। यह आवाज से पांच गुणा तेज क्षमता की सैन्य प्रौद्योगिकी है। इसकी गति 6174 किमी प्रति घण्टा है। इस कारण दुश्मन के

रडार को इसका पता लगाना मुश्किल है। यह हवा में रास्ता बदलने, लक्ष्य को निशाना बनाने में सक्षम है। यह 1500 किमी तक पे-लैण्ड ले जा सकती है तथा किसी भी स्थिति में ऑपरेशन को अंजाम देने में सक्षम है। इसे डीआरडीओ तथा उद्योग भागीदारों की मदद से स्वदेशी रूप में विकसित किया गया है। अभी फ्रांस, जर्मनी, जापान और ऑस्ट्रेलिया ऐसी हथियार प्रणाली विकसित करने में जुटे हैं।

कवच सिस्टम से होगी रेल सुरक्षा

स्वदेशी रूप से विकसित 'कवच' प्रणाली आटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (ATP) एक इलेक्ट्रोनिक डिवाइस है जिसे स्थापित करने पर कोहरे में ट्रेनों के देरी से चलने की समस्या का समाधान होगा। यह सिस्टम गति, स्थिति तथा आसपास के परिवेश की निगरानी करता है और यदि कोई खतरा उत्पन्न होता है तो स्वचालित रूप से ट्रेन के ब्रेक लगा देता है। इसमें सेन्टर और ट्रांसमीटर लगे होते हैं जो जानकारी इकट्ठा कर केन्द्रीय कम्प्यूटर में भेजता है, जिसका कम्प्यूटर त्वरित विश्लेषण कर खतरा होने पर सिग्नल भेजकर ट्रेन के ब्रेक लगा देता है। लोको पायलेट केबिन में भी एक डिवाइस लगा होता है जो ट्रेक से मिलने वाली जानकारी लेकर विश्लेषण करके निर्णय लेता है कि ट्रेन को रोकना है या नहीं। अब ट्रेन यात्रा जहां सुरक्षित एवं विश्वसनीय होगी वहीं समय की बचत भी होगी।

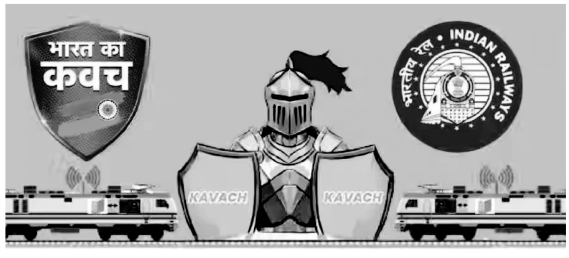

सुभाष चंद्र बोस

नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक उग्र राष्ट्रवादी थे, उनकी देशभक्ति ने उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक बना दिया।

- सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को उड़ीसा के कटक शहर में हुआ था।
- शुरुआती स्कूली शिक्षा के बाद उन्होंने रेवेनशॉ कॉलेजिएट स्कूल में दाखिला लिया। उसके बाद उन्होंने प्रेसीडेंसी कॉलेज कोलकाता में प्रवेश लिया परंतु उनकी उग्र राष्ट्रवादी गतिविधियों के कारण उन्हें वहाँ से निष्कासित कर दिया गया। इसके बाद वे इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिये कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय चले गए।
- वर्ष 1919 में बोस भारतीय सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने के लिये लंदन चले गए और वहाँ उनका चयन भी हो गया। हालाँकि बोस ने सिविल सेवा से त्यागपत्र दे दिया क्योंकि उनका मानना था कि वह अंग्रेज़ों के साथ कार्य नहीं कर सकते।
- सुभाष चंद्र बोस, विवेकानंद की शिक्षाओं से अत्यधिक प्रभावित थे और उन्हें अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे, जबकि चितरंजन दास उनके राजनीतिक गुरु थे।
- वर्ष 1923 में बोस को अखिल भारतीय युवा कांग्रेस का अध्यक्ष और साथ ही बंगाल राज्य कांग्रेस का सचिव चुना गया।
- वर्ष 1925 में क्रांतिकारी आंदोलनों से संबंधित होने के कारण उन्हें माण्डले कारागार में भेज दिया गया जहाँ वह तपेदिक की बीमारी से ग्रसित हो गए।
- बोस ने वर्ष 1938 (हरिपुरा) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद राष्ट्रीय योजना आयोग का गठन किया। यह नीति गांधीवादी विचारों के अनुकूल नहीं थी।
- वर्ष 1939 (त्रिपुरी) में बोस फिर से अध्यक्ष चुने गए लेकिन जल्द ही उन्होंने अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया और कांग्रेस के भीतर एक गुट 'ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक' का गठन किया, जिसका उद्देश्य राजनीतिक वाम को मजबूत करना था।

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

- वे सीआर. दास के साथ राजनीतिक गतिविधियों में संलग्न थे और उनके साथ जेल भी गए। जब सीआर. दास को कलकत्ता को-ऑपरेशन का मेयर चुना गया तो उन्होंने बोस को मुख्य कार्यकारी नामित किया था। उन्हें वर्ष 1924 में उनकी राजनीतिक गतिविधियों के लिये गिरफ्तार किया गया था।
- ट्रेड यूनियन आंदोलन: उन्होंने युवाओं को संगठित किया और ट्रेड यूनियन आंदोलन को बढ़ावा दिया। वर्ष 1930 में उन्हें कलकत्ता का मेयर चुना गया, उसी वर्ष उन्हें अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस का अध्यक्ष भी चुना गया।
- उन्होंने बिना शर्त स्वराज अर्थात् स्वतंत्रता का समर्थन किया और मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट का विरोध किया जिसमें भारत के लिये डोमिनियन के दर्जे की बात कही गई थी।
- बोस वर्ष 1938 में हरिपुरा में कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।
- वर्ष 1939 में त्रिपुरी में उन्होंने गांधी जी के उम्मीदवार पट्टाभि सीतारमैय्या के खिलाफ फिर से अध्यक्ष पद का चुनाव जीता।
- गांधी जी से साथ वैचारिक मतभेद के कारण बोस ने कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया।
- जब द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ तो उन्हें फिर से सविनय अवज्ञा में भाग लेने के कारण कैद कर लिया गया और कोलकाता में नज़रबंद कर दिया गया।
- बोस ने पेशावर और अफगानिस्तान के रास्ते बर्लिन चले गये। वह जापान से बर्मा पहुँचे।
  उन्होंने 'जय हिंद' और 'दिल्ली चलो' जैसे प्रसिद्ध नारे दिये।
  अपने सपनों को साकार करने से पहले एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। जिस पर आज तक संशय है।
- बोस ने बर्लिन में युद्ध के लिये भारतीय कैदियों से भारतीय सेना का गठन किया।
  यूरोप में बोस ने भारत की आज़ादी के लिये हिटलर और मुसोलिनी से मदद मांगी।
  आज़ाद हिंद रेडियो का आरंभ, नेताजी ने 1942 में जर्मनी में किया।
- इस रेडियो का उद्देश्य भारतीयों को अंग्रेज़ों से स्वतंत्रता प्राप्त करने हेतु संघर्ष करने के लिये प्रचार-प्रसार करना था।
  इस रेडियो पर बोस ने 6 जुलाई, 1944 को महात्मा गांधी को 'राट्रपिता' के रूप में संबोधित किया।
- भारतीय राष्ट्रीय सेना: वह जुलाई 1943 में जर्मनी से जापान-नियंत्रित सिंगापुर पहुँचे वहाँ से उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा 'दिल्ली चलो' जारी किया और 21 अक्तूबर, 1943 को आज़ाद हिंद सरकार तथा भारतीय राष्ट्रीय सेना के गठन की घोषणा की।

वर्ष 1944 में इम्फाल और बर्मा में भारत की सीमा के भीतर संबद्ध सेनाओं का मुकाबला किया।

- रंगून के पतन के साथ ही आजाद हिंद सरकार एक प्रभावी राजनीतिक इकाई बन गई।
- नवंबर 1945 में ब्रिटिश सरकार द्वारा INA के लोगों पर मुकदमा चलाए जाने के तुरंत बाद पूरे देश में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए।
- प्रभाव: INA के अनुभव ने वर्ष 1945-46 के दौरान ब्रिटिश भारतीय सेना में असंतोष की लहर पैदा की, जिसकी परिणति फरवरी 1946 में बॉम्बे के नौसैनिक विद्रोह के रूप में हुई जिसने ब्रिटिश सरकार को जल्द-से- जल्द भारत छोड़ने के लिये मजबूर कर दिया।

- रमेश तोंदवाल

छुट्टियों का अनूठा एसाइनमेंट अभिभावकों के लिए

एक स्कूल ने अपने बच्चों को छुट्टियों का जो एसाइनमेंट दिया था। इसे पढ़कर अहसास होता है कि हम वास्तव में कहां आ पहुंचे हैं और अपने बच्चों को क्या दे रहे हैं?

स्कूल ने वास्तव में बच्चों के लिए नहीं बल्कि पेरेंट्स के लिए होमवर्क दिया है, जिसे हर अभिभावक को पढ़ना चाहिए। उन्होंने लिखा:-

पिछले 10 महीने आपके बच्चों की देखभाल करने में हमें अच्छा लगा। आपने गौर किया होगा कि उन्हें स्कूल आना बहुत अच्छा लगता है। अगले दो महीने बच्चे आपके साथ छुट्टियां बिताएंगे। हम आपको कुछ टिप्स दे रहे हैं जिससे ये समय उनके लिए उपयोगी और खुशनुमा साबित होगा-

- अपने बचपन और अपने परिवार के इतिहास के बारे में बच्चों को बताएं।
- अपने बच्चों को बाहर जाकर खेलने दें, चोट लगने दें, गंदा होने दें। कभी कभार गिरना और दर्द सहना उनके लिए अच्छा है। सोफे के कुशन जैसी आराम की जिंदगी आपके बच्चों को आलसी बना देती है।
- उन्हें कुछ स्थानीय लोक गीत सुनाएं।
- उन्हें कोई पालतू जानवर जैसे कुत्ता, बिल्ली, चिड़िया या मछली पालने दें।
- अपने बच्चों के लिए रंग-बिरंगी तस्वीरों वाली कुछ कहानी की किताबें लेकर आएं।
- उन्हें अपने साथ खाना बनाने में मदद करने दें। उन्हें सब्जी या फिर सलाद बनाने दें।
- अपने बच्चों के साथ खाना जरूर खाएं। उन्हें किसानों के महत्व और उनके कठिन परिश्रम के बारे में बताएं। और उन्हें बताएं कि खाना बर्बाद न करें।
- खाने के बाद उन्हें अपनी प्लेटें खुद धोने दें। इस तरह के कामों से बच्चे मेहनत का महत्व समझेंगे।
- तीन पड़ोसियों के घर जाएं, उनके बारे में जानें और घनिष्ठता बढ़ाएं।
- दादा-दादी/ नाना-नानी के घर जाएं और उन्हें बच्चों के साथ घुलने मिलने दें। उनका प्यार और भावनात्मक सहारा आपके बच्चों के लिए बहुत आवश्यक है। उनके साथ फोटो लेवें।
- उन्हें अपने काम करने की जगह पर लेकर जाएं जिससे वो समझ सकें कि आप परिवार के लिए कितनी मेहनत करते हैं।
- अपने बच्चों को किचन गार्डन बनाने के लिए बीज बोने के लिए प्रेरित करें। पेड़ पौधों के बारे में जानकारी होना भी आपके बच्चे के विकास के लिए जरूरी है।
- स्थानीय मेले व त्योहार में सम्मलित होने देवें।
- अपने बच्चों को टीवी, मोबाइल फोन, कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से दूर रखें। इन सबके लिए तो उनका पूरा जीवन पड़ा है।
- उन्हें चॉकलेट्स, जैली, क्रीम, केक, चिप्स, गैस वाले पेय पदार्थ और पफ्स जैसे बेकरी प्रोडक्ट्स और समोसे जैसे तले हुए खाद्य पदार्थ देने से बचें।
- अपने बच्चों की आंखों में देखें और ईश्वर को धन्यवाद दें कि उन्होंने इतना अच्छा उपहार आपको दिया। अब से आने वाले कुछ सालों में वो नई ऊंचाइयों पर होंगे।

माता-पिता होने के नाते यह जरूरी है कि आप अपना समय बच्चों को देवें।

अगर आप अभिभावक हैं तो इसे पढ़कर आप यह सोचने को अवश्य मजबूर होंगे कि आपके बच्चे वास्तव में इन सब चीजों से दूर हैं।

इस एसाइनमेंट में लिखा एक-एक शब्द ये बता रहा है कि जब हम छोटे थे तो ये सब बातें हमारी जीवन शैली का हिस्सा थीं, जिसके साथ हम बड़े हुए हैं, लेकिन आज हमारे ही बच्चे इन सब चीजों से दूर हैं, जिसकी वजह हम खुद हैं।

आज के कठिन समय में बच्चों के साथ ऐसे कार्य करे जिससे उनके अंदर त्याग, समर्पण, सेवा तथा परोपकार की भावना जागृत हो। बच्चों को प्राकृतिक माहौल में वास्तविक जीवन जीने दें।

-संकलन पत्रिका टीम

मकर संक्रांति

महत्वपूर्ण खगोलिय घटना पर आधारित हिन्दू पर्व मकर संक्रांति स्वयं में एक अद्भुत व शुभ संकेत देने वाला पर्व है। शास्त्रों के अनुसार सूर्य का मकर राशि में प्रवेश करना ही इस पर्व का सूचक है। उत्तरायण का समय देवताओं का दिन और दक्षिणायन को देवताओं की रात्रि कहा गया है अर्थात सूर्य उत्तरायण हो जाता है ओर सभी शुभ कार्यों की शुरुआत हो जाती है।

यह पर्व भगवान विष्णु के अंतिम अवतार कल्कि के जन्म से भी जुड़ा हुआ है। हमारी आध्यात्मिकता का पूरा प्रभाव इस त्यौहार पर देखने को मिलता है और लोग पवित्र नदियों यथा गंगा, यमुना, गोदावरी आदि में इस दिन डुबकी लगाते हैं। दान पुण्य का विशेष महत्व इस दिन देखा जाता है।

मकर संक्रांति के दिन ही गंगा मैया भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में मिल गई थी। भगीरथ ने इसी दिन अपने पूर्वजों के लिए तर्पण किया था। अत: इस दिन पश्चिम बंगाल में गंगासागर में मेला भी लगता है।

पंजाब में लोहड़ी, केरल में पोंगल के रूप में यह त्यौहार मनाया जाता है। अन्य त्यौहारों की भांति यह त्यौहार भी त्याग, संकल्प, सौहार्द्र व दानपुण्य का प्रतीक माना जाता है। इस दिन तिल के दान का अत्यंत महत्व है।

संकल्प की बात करें तो महिलाएं इस दिन अपनी इच्छा से साल भर के लिए कुछ अच्छा कर्म करने का संकल्प लेती हैं और उसको निभाती भी हैं। यह संकल्प पूर्ण होने परन आत्मविश्वास की अनुभूति अवश्य होती है क्योंकि इसे हर परिस्थिति में पूर्ण करना होता है। राजस्थान में कई जगह इस त्यौहार पर पतंग उडाने का चलन खास महत्व रखता है। जयपुर में तो पतंगबाजी विशेष आकर्षण का केन्द्र रहती है।

इसी दिन मंदिर व देवालय में लोग विशेष रूप से दर्शनार्थ जाते हैं। सुहागन स्त्रियां तेरह वस्तुओं का दान तिल के लड्डू के साथ करती हैं।

इस पर्व पर हम सभी को कुछ अच्छा संकल्प लेकर पूरे वर्ष उसका पालन करना चाहिए, समाज की कुरुतियां, महिला अत्याचार, अशिक्षा, नशा आदि बुराइयों के खिलाफ लड़ने का और सालभर इन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए ताकि मकर संक्रांति पर समाज में व्याप्त इन संक्रमणों से बचा जा सके तथा इस त्यौहार की सार्थकता बनी रहे।

- भारती तोंदवाल

इस बार मकर संक्रांति कब- 14 या 15 जनवरी ?

सूर्य के मकर राशि में जाने पर मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है। मकर संक्रांति का हिंदू धर्म में बहुत महत्व माना गया है। पिछले कुछ वर्षों से मकर संक्रांति का पर्व 15 जनवरी को भी आने लगा है। इसीलिए लोगों में हर साल यह भ्रम बना रहता है कि इस बार मकर संक्रांति 14 जनवरी को रहेगी या कि 15 जनवरी को। वर्ष 2023 में मकर संक्रांति 15 जनवरी मनाई गई थी क्योंकि 14 जनवरी की रात्रि में मकर राशि में सूर्य ने प्रवेश किया था। इस मान से अगले दिन मकर संक्रांति मनाई गई। हालांकि इस बार वर्ष 2025 में मकर संक्रांति का पर्व 14 जनवरी को ही रखा जाएगा। सूर्य 14 जनवरी मंगलवार को सुबह 09:03 बजे मकर राशि में प्रवेश करेगा।

मकर संक्रांति का पुण्य काल:सुबह 09:03 से शाम 05:46 तक।

जबकि महा पुण्य काल: सुबह 09:03 से सुबह 10:48 तक है।

सूर्य को अर्घ्य देने की विधि-

- स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं।
- सफेद या पीला वस्त्र धारण करें।
- तांबे के लोटे में जलभर कर उसमें मिश्री, कुंकुम, अक्षत, तिल तथा लाल रंग का फूल डालें।
- उदित होते सूर्य के समक्ष कुश का आसन लगाएं।
- आसन पर खड़े होकर हाथों से तांबे के लोटे को पकड़ कर जल इस तरह चढ़ाएं कि सूर्य, चढ़ती जलधारा से दिखाई दें।
- हमेशा सूर्य को जल का अर्घ्य धीरे-धीरे चढ़ाएं ताकि जलधारा आपके आसन पर आकर गिरे।

अर्घ्य देते समय 11 बार निम्न मंत्र का पाठ करें-

'ॐ ऐहि सूर्य सहस्त्रांशों तेजोराशे जगत्पते।
अनुकंपये माम भक्त्या गृहणार्घ्यं दिवाकर: ।।'

- तत्पश्चात सीधे हाथ की अंजूरी में जल लेकर अपने चारों ओर छिड़कें।
- अपने स्थान पर ही तीन बार घुम कर परिक्रमा करें।
- अब आसन उठाकर उस स्थान को नमन करें।
- इस अर्घ्यदान से भगवान सूर्य प्रसन्न होकर आयु, आरोग्य, धन, धान्य, पुत्र, मित्र, तेज, वीर्य, यश, कान्ति, विद्या, वैभव और सौभाग्य को प्रदान करते हैं तथा सूर्य लोक की प्राप्ति होती है।

-राम प्रकाश कुमावत

मिलजुलकर बनें बिल्डर

आज से 30-40 वर्ष पहले तक बिल्डिंग लाईन (भवन निर्माण) में कुमावत समाज का ही बोलबाला था। पी.डब्ल्यू.डी., हाऊसिंग बोर्ड और गाँवों, कस्बों व शहरों में भवन निर्माण की ठेकेदारी व निर्माण हमारे समाज बन्धुओं के पास था तथा सरकारी निर्माण विभागों में हमारे समाज के ही इंजीनियर व मिस्त्री होते थे। लेकिन आज हमारे समाज की हालत यह है कि निर्माण क्षेत्र में हमारे समाज के ठेकेदार, इंजीनियर व मिस्त्री न के बराबर हैं। हमारी आपसी फूट व कमजोरियों के कारण जिन समाजों का भवन निर्माण से कभी दूर-दूर तक का कोई वास्ता नहीं रहा था उनके लोग पिछले 30-40 वर्षों से लगातार बिल्डिंग लाईन में छा गये। उनको ही सरकारी बड़े-बड़े ठेके मिलते हैं। उन्हें ही समाजों के राजनेता, मंत्री अपने समाज के इंजीनियर रखते हैं।

आज हमारे समाज के ज्यादातर लोग प्राइवेट ठेकेदार या 50-100 वर्ग गज के बिल्डर बनकर रह गये हैं। जबकि अन्य समाजों के लोग 10-20 बीघा में प्रोजेक्ट के बिल्डर व कोलोनाईजर हो गये हैं। विडम्बना है कि मेरी जानकारी में अब तक नहीं आया कि कोई कुमावत बन्धु या कुमावतों का कोई ग्रुप 2-3 बीघा में 100-200 बहुमंजिला फ्लेट या प्लॉट/ डुपलेक्स बनाकर बेच रहा हो। हमारे समाज के कुछ ठेकेदार करोड़ों के प्राईवेट ठेके तो लेते हैं पर वे (कोलोनाईजर/ बिल्डर) नहीं है।

मेरी बचपन से ही यह पीड़ा रही है कि अपने समाज में कोई अच्छे बिल्डर क्यों नहीं बन पा रहे हैं। पिछले 30-40 वर्षों से मैं समाज के कई मंचों व मीटिंगों में यह बात उठा चुका हूँ कि अपने समाज के खानदानी व्यवसाय भवन निर्माण पर अन्य समाजों का धीरे-धीरे कब्जा होता जा रहा है। हम तो लेबर ठेकेदार या पेटी ठेकेदार बन के रह गया है।

यदि हम सभी समाजबन्धु बिल्डर/ठेकेदार मिलकर 5-10 बीघा जमीन खरीदकर जेडीए से अनुमोदित कराके प्लॉट, बंगले, फ्लेट बनाकर बेचे तो धीरे-धीरे हम भी कोलोनाईजर व बिल्डर बन जाएँगे।

हम दोनों भाई के छोटे से प्रयास से पिछले 10 वर्षों में भांकरोटा में मुकन्दपुरा रोड़ पर 3200 वर्ग गज में से 1700 वर्ग गज जमीन पर 5 मंजिल का आयुष हॉस्पिटल बना लिया है। मैं आशा करता हूँ कि समाज के लोग सोच ले व मिलकर काम करें तो बड़े बिल्डर कोलोनाईजर बनने से कोई रोक नहीं सकता।

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि आप या आपके रिश्तेदार, भाई-बन्धु, बिल्डर या ठेकेदार हों तो कृपया मिलें। ताकि मिल बैठकर कुमावत समाज की भवन निर्माण व्यापार में पुन: बड़ी उन्नति हो इस पर चर्चा कर सके जिससे आगे हम अपने हजारों बच्चों को रोजगार दे सकें तथा समाज की उन्नति में चार-चांद लगा सकते हैं।

एक कुमावत निर्माण कम्पनी बनायें, जिसमें शेयर जारी करके जितना लाभ हो उसको शेयर के अनुसार बाँट सके। इससे हम भी अन्य बिल्डर्स की भांती आगे बढ़ सकें।

इस विषय पर आपके विचार, सुझाव आमंत्रित हैं।

- रमेश सिंह नागा (फुलेरा वाले) मो. 8740809987

ढूंढिये वजह मुस्कराने की-2

पिछले अंक में श्रीमती भारती तोंदवाल का यह आर्टिकल ''ढूंढिये वजह मुस्कुराने की'' पढ़ा। सोचा कि इसका भाग-2 भी पेश किया जाये। पढ़िये इसका भाग-2:-

आज की भागदौड़ वाली जिन्दगी एवं काम के बोझ से लोग मुस्कुराना ही भूल गये हैं। ऐसे में घरवाले कोई छोटा सा काम बता दें तो भारी लगता है तथा चिड़चिड़ाहत होती है। कहा जाता है कि एक मुस्कुराहट से दूसरों का दिल जीता जा सकता है। जीवन में मुस्कराने अनेक पल आते हैं तब तो मुस्कराइये, छोडिये रोनी सूरत बनाना। इससे आपकी परेशान जिन्दगी में भी खुशियां जरूर आ जावेगी। हंस-हंस कर जीवन बिताये, यह जिन्दगी छोटी सी है, कब बीत जावेगी पता ही नहीं चलेगा। इससे आपके व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा और परिवारजनों, रिश्तेदारों एवं मित्रों से अच्छे सम्बन्ध बनेंगे जो आपके अपने बनेंगे और छोटी-मोटी कठिनाइयों में आपके साथ खड़े मिलेंगे। क्या खड़ूस व्यवहार रखकर आप यह हासिल कर सकते हैं ? हमारी मुस्कराहट दूसरों को खुशी देने का सबसे बड़ा स्रोत है।

शांति की शुरुआत मुस्कान से होती है।

- मदर टेरेसा

आपके चेहरे पर जब तक हंसी नहीं होगी लगेगा जैसे ढंग से तैयार ही नहीं हुए। लोग तो प्रात:काल हंसने को गार्डन जाते हैं, वहां कृत्रिम हंसी ही हंसकर अपने दिन को अच्छा बनाने का प्रयास करते हैं। आप प्राकृतिक हंसी का अवसर तो न छोड़े। सेहत और रिश्तों में सुधार का रामबाण ईलाज है '**आपकी मस्कुराहट**'। इसमें कुछ खर्च नहीं होता पर मिलता बहुत है। यह थके हुए के लिए आराम है, निराश लोगों के लिए आशा की किरण है, दु:खी लोगों के लिए सूर्य की रोशनी और कष्टों के लिए बेहतरीन दवा है। अत: निराशा में भी मुस्कराना हमारे लिए अच्छा है। अत: सदैव मुस्कुराते रहें।

- अमिता कुमावत

सोशल मीडिया पर लगाम जरूरी

आज सोशल मीडिया जिन्दगी का अहम हिस्सा बन गया है। यह इन्टरनेट के माध्यम से वर्चुअल वर्ल्ड बनाता है इसके उदाहरण हैं फेसबुक, ट्वीटर, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम आदि। इसका विशाल नेटवर्क हमें संसार से जोड़े रखता है। यह द्रुतगति से संचार का माध्यम है। सोशल मीडिया उपयोगकर्ता टेक्स्ट, फोटोज, वीडियो और अन्य मल्टी मीडिया सामग्री डाल और देख सकता है तथा संवाद कर सकता है। प्रेस की स्वतंत्रता की आड़ में सोशल मीडिया अनियंत्रित अभिव्यक्ति का माध्यम भी बन गया है। कभी-कभी अशोभनीय एवं अभद्र सामग्री भी इस पर कुछ लोगों द्वारा डाल दी जाती है, कारण कि सोशल मीडिया पर सरकारी संस्थाओं की समुचित निगरानी का अभाव है। हॉल ही में भाजपा के अरुण गोविल ने प्रश्न उठाया था, जिसके जवाब में सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा **सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेट फार्मों को विनियिमत करने वाले मोजूदा कानूनों को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता है।** भारत में सांस्कृतिक विविधता है तथा यहां की सांस्कृतिक संवेदनशीलता भिन्न है, जो उन देशों से अलग है जहां ये प्लेटफार्म बनाए गये थे। इस कारण मौजूदा कानून सख्त करने की जरूरत है। किन्तु इसके लिए सामाजिक एवं राजनैतिक सहमति बनानी होगी।

कोविड-19 के समय से सोशल मीडिया व इन्टरनेट पर बच्चे अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। वे उपलब्ध आपत्तिजनक व अभद्र सामग्री भी देख सकते हैं। राजस्थान पत्रिका के 10 नवम्बर के अंक में प्रकाशित न्यूज ''**सावधानी! जाने-अनजाने 73% स्कूली बच्चे देख रहे हैं अश्लील सामग्री**'' बेहद चिंताजनक है। इसको न देख पाये इसके लिए फिल्टर लगा कर बच्चों को रोका जाये। वे सोशल मीडिया से दूर रहें तथा इन्टरनेट उपयोग कम कर पाये इसके लिए परिवारजन ध्यान रखें तथा सरकार भी कड़े उपाय करें। अमेरिका में स्कूलों और पुस्तकालयों को ऑनलाइन सर्विस हेतु फिल्टर उपयोग के निर्देश है, जो ऐसा नहीं करते उनका फेडरल फंड रोकने का प्रावधान है। आस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से नीचे के बच्चों को अब सोशल मीडिया प्रतिबन्धित कर दिया गया है। चीन में भी प्रतिबन्ध लागू है।

पिछले महीनों में सोशल मीडिया पर गलत जानकारी एवं उकसाने वाली आपत्तिजनक सामग्री डालकर दंगे फसाद व धार्मिक उन्माद पैदा किये गये हैं। जिससे निपटने के लिए प्रशासन व पुलिस को भारी मसक्कत करनी पड़ी।

इन्स्टाग्राम से 23 करोड़ लोग जुड़े हुए हैं। 11-26 वर्ष के बच्चे व युवा प्रतिदिन 3 घण्टे रील देखते हैं, उनका 40 प्रतिशत समय इसमें बर्बाद हो रहा है। 60 लाख रील रोज बन रही है। भारत में 14-29 वर्ष के 38 करोड़ युवा है जिन्हें आसानी से सोशल मीडिया के अंधे कुएं से निकालना कठिन है। अमेरिका में इससे मानसिक तनाव, अवसाद एवं आत्महत्या जैसे, मामले सामने आये हैं तथा 50 राज्यों में से 42 राज्यों में Meta Co. के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुए हैं। **सोशल मीडिया, सिगरेट की लत की तरह हानिकारक है।** यदि सोशल मीडिया से युवा शक्ति का पतन हुआ तो सोचिये, हमारा देश का भविष्य क्या होगा?

भारत के उच्चतम न्यायालय ने भी सोशल मीडिया के उपयोग पर कानून बनाने की सलाह दी है। अत: सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचने के लिए कठोर कानून बनाने की जरूरत है, जिस पर संसद व विधायिकाओं को शीघ्र विचार करना उपयुक्त होगा।- पत्रिका टीम

उन्नत तकनीक विकसित

स्वदेशी हंटर और किलर ड्रोन विकसित

हवा में ही मार गिरायेंगे दुश्मन के ड्रोन

जम्मू में अन्तर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी सम्भालने वाली टाइगर डिवीजन ने ''टाइगर वायु रक्षा अटैक सिस्टम'' (टिवरा) नामक उन्नत रक्षा प्रणाली को मेजर अनमोल टंडन ने डिजाइन कर विकसित किया है। इसका उपयोग सीमा पार से उत्पन्न भविष्य की चुनौती के लिए होगा। हंटर और किलर ड्रॉन की जोड़ी मिलकर दुश्मन के ड्रोन को हवा में ही मार गिरायेगी। यह एक किग्रा. विस्फोटक ले जाने में सक्षम है। इस अहम नवाचार की प्रशंसा थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने की है।

जीसैट-20 लांच

इसरों ने अत्याधुनिक हाई-थ्रूपुट संचार उपग्रह जीसैट-एन-2 (जीसैट-20) को अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित केप कैनवेरल अंतरिक्ष केन्द्र से 18 नवम्बर 2024 को सफलतापूर्वक लांच किया है। पहली बार इसरो तथा एलनमस्क की कम्पनी स्पेसएक्स ने इस क्षेत्र में मिलकर कार्य किया है। अब भारत, तेज ब्राडबैण्ड सेवा से जुड़कर बेहतर इन्टरनेट कनेक्टिविटी देने में समर्थ होगा।

लैंड अटेक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने ओडिसा के चांदीपुर परीक्षण केन्द्र से स्वदेशी लैंक अटैक क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया जो सफल रहा। भारत अब 1000 किमी दूर दुश्मन के युद्धपौत पर सटीक निशाना लगाने में समर्थ होगा। यह प्रणाली भारतीय नौसेना के लिए उपयोगी होगी।

वर्ष 2025, राशि अनुसार उपाय

नववर्ष 2025 सभी जातकों के लिए शुभ हो और उनको अपने जीवन में आने वाली समस्याओं से निजात पाने के साथ ही वर्ष 2025 के पूर्ण रूप से सदुपयोग हेतु मेष राशि से लेकर मीन राशि तक के जातकों के लिए बेहद आसान और सटीक उपायों के विषय में आइए जान लेते हैं—

मेषः मेष राशि वाले जातकों का स्वामी ग्रह मंगल है इसलिए इनको मंगल ग्रह का हस्त निर्मित और मूंगा रत्नों से युक्त एक वैदिक यंत्र स्थापित करके नियमित मंगल ग्रह के जाप करने चाहिए, माता दुर्गा की नियमित पूजा करें, काले और नील रंगों का प्रयोग इस वर्ष आपके कम करना चाहिए। आपको मूंगे की अभिमंत्रित हनुमान जी की मूर्ति भी अपने पूजा घर में स्थापित करके नियमित पूजा करनी चाहिए।

वृषभः वृषभ राशि वाले जातकों का स्वामी ग्रह शुक्र है इसलिए इनको शुक्र ग्रह का एक हस्त निर्मित और ओपल रत्नों से युक्त वैदिक यंत्र अपने पूजा घर में स्थापित करके नियमित शुक्र ग्रह के जाप करने चाहिए । आपको पीने की वस्तुओं में चांदी के गिलास का प्रयोग करना चाहिए। नेत्रहीन और दिव्यांग लोगों की भी आवश्यकतानुसार वस्तुओं को लेकर मदद करनी चाहिए। आप जरूरतमंद लोगों के भोजन और जल की व्यवस्था करें।

मिथुनः मिथुन राशि वाले जातकों का स्वामी ग्रह बुध है इसलिए इनको बुध ग्रह का एक हस्त निर्मित और पन्ना रत्नों से युक्त वैदिक यंत्र स्थापित करके यंत्र के सामने बुध ग्रह के नियमित जाप करने चाहिए, आप समय-समय पर नेत्रहीन लोगों के भोजन की व्यवस्था करें। आप जरूरतमंद लोगों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करें।

कर्क : कर्क राशि वाले जातकों का स्वामी ग्रह चंद्रमा है इसलिए कर्क राशि वालों को चंद्र ग्रह का एक हस्त निर्मित और मोती रत्नों से युक्त वैदिक यंत्र स्थापित करके उस यंत्र के सामने नियमित चंद्र ग्रह के शाम को जाप करने चाहिए। पीपल के पेड़ पर नियमित जल चढ़ाएं और शनिवार के दिन शनि मंदिर में जाकर जरूरतमंद लोगों को बादाम का दान करें।

सिंह : सिंह राशि वाले जातकों का स्वामी ग्रह सूर्य है इसलिए आपको सूर्य ग्रह का एक हस्त निर्मित और माणिक्य रत्नों से युक्त वैदिक यंत्र पूजा घर में स्थापित करके नियमित सूर्य ग्रह के मंत्रों का जाप करना चाहिए। जटा वाले नारियल भी पानी में बहाईये। पक्षियों और जानवरों के भोजन की व्यवस्था करें, इनको रविवार की सुबह आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ भी करना चाहिए।

कन्या : कन्या राशि वाले जातकों का स्वामी ग्रह बुध है इसलिए इनको बुध ग्रह का एक हस्त निर्मित और पन्ना रत्नों से युक्त वैदिक यंत्र स्थापित करके यंत्र के सामने बुध ग्रह के जाप करने चाहिए इसके साथ ही मस्तक पर नियमित केसर का तिलक लगाए। नीले और काले वस्त्रों का प्रयोग इस वर्ष आपके कम करना चाहिए, जरूरतमंद और दिव्यांग लोगों के भोजन की व्यवस्था करें। बुधवार को गणेश जी को दूर्वा चढ़ानी चाहिए।

तुलाः तुला राशि वाले जातकों का स्वामी ग्रह शुक्र है इसलिए उनको शुक्र ग्रह का एक हस्त निर्मित और ओपल रत्नों से युक्त वैदिक यंत्र स्थापित करके यंत्र के सामने शुक्र ग्रह के मंत्रों का जाप करना चाहिए, इसके साथ ही तामसी भोजन और इन आदतों से युक्त लोगों से भी आपको दूर रहना होगा। पीने की वस्तुओं के लिए चांदी की कटोरी या गिलास का प्रयोग करें, अपने मानसिक स्तर और चरित्र को उन्नत बनाए रखें।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वाले जातकों का स्वामी ग्रह मंगल है इसलिए इनको मंगल ग्रह का एक हस्त निर्मित और मूंगा रत्नों से युक्त वैदिक यंत्र स्थापित करके यंत्र के सामने मंगल ग्रह के जाप करने चाहिए, इसके साथ ही बहते हुए जल में साबुत धनिया बहाए, मंगलवार के दिन हनुमानजी को चोला अर्पित करें और गुड़, चने का भोग लगाए साथ ही हनुमान मंदिर में केलों का दान करें।

धनुः धनु राशि वाले जातकों का स्वामी ग्रह गुरु है इसलिए गुरु ग्रह का एक हस्त निर्मित और सुनहेला रत्नों से युक्त वैदिक यंत्र स्थापित करके नियमित गुरु ग्रह के बीज मत्रों का जाप करना चाहिए इसके साथ ही कौए को चावल खिलाएं, कुंडली के अनुसार संभव हो तो तर्जनी अंगुली में सोने की अंगूठी धारण करें। प्रतिदिन पक्षियों के अन्न और जल की व्यवस्था करें।

मकरः मकर राशि वाले जातकों का स्वामी ग्रह शनि है इसलिए इनको शनि ग्रह का एक हस्त निर्मित और नीलम रत्नों से युक्त वैदिक यंत्र स्थापित करके शनि ग्रह के मत्रों का जाप करना चाहिए इसके साथ ही जरूरतमंद लोगों को कपड़ों का दान करें, चीटियों और पक्षियों के भोजन की व्यवस्था करें। शनिवार को शनि स्त्रोत का पाठ करें और शनि मंदिर में काले तिल शनिदेव को अर्पित करें।

कुंभः कुंभ राशि वाले जातकों का स्वामी ग्रह भी शनि है इसलिए वैदिक शनि यंत्र के सामने शनि के बीज मत्रों का जाप करें । आपको निश्चित रूप से तामसी भोजन से दूर रहना होगा, धार्मिक स्थल पर समय-समय पर जाकर साफ, सफाई में सहयोग करें इसके साथ ही शनिवार को शनि मंदिर में जाकर जरूरतमंद लोगों के लिए पीने के जल, भोजन और वस्त्रों की व्यवस्था करें।

मीनः मीन राशि वाले जातकों का स्वामी ग्रह गुरु है इसलिए गुरु ग्रह का एक हस्त निर्मित और सुनहेला रत्नों से युक्त वैदिक यंत्र स्थापित करके यंत्र के सामने गुरु ग्रह के बीज मत्रों का जाप करना । बंदरों को गुड और चना खिलाएं। शराब और तामसी भोजन से आपको बचना होगा। कोए के साथ ही अन्य पक्षियों के भी अन्न और जल का प्रबंध करें साथ ही विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।

आप सभी जातक इन कारगर और सिद्ध आजमाएं हुए उपायों का प्रयोग करें, निश्चित रूप से 2025 आपके लिए उन्नति देने वाला साबित होगा।

-डॉ योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।
M.:8058169959

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

18 नवम्बर श्रीमती मुरली देवी निराणिया, पिपली की ढाणी, झोटवाड़ा, जयपुर
18 नवम्बर श्री छगनलाल साड़ीवाल, यूनिवर्सिटी रोड, उदयपुर
19 नवम्बर श्रीमती कान्ता देवी कारगवाल, मिल कॉलोनी, ब्यावर
20 नवम्बर श्रीमती गीता बाई धर्मपत्नी स्व. श्री रूधनाथ मारोठिया, पालदा, इन्दौर
20 नवम्बर श्रीमती झूमा देवी कण्डेरीवाल, खातीपुरा की बाढ़, सांगानेर
22 नवम्बर श्री नरेन्द्र भाण्डोरिया, कालवाड रोड, जयपुर
22 नवम्बर श्रीमती जमना देवी करोडीवाल, फुलेरा
23 नवम्बर श्रीमती सोनी देवी खोरानिया, टोडी, ग्राम-नींदड, जयपुर
23 नवम्बर श्रीमती धापा देवी कुण्डलवाल, सिंगल वालों की ढाणी, चौमू
24 नवम्बर श्री दामोदर प्रसाद खण्डारिया, लाल कोठी योजना, जयपुर
24 नवम्बर श्री चन्द्रशेखर मारोठिया, खोरी, शाहपुरा
24 नवम्बर श्री प्रदीप कुमार कुमावत सुशान्त सिटी-2, कालवाड रोड, जयपुर
26 नवम्बर श्रीमती सोनी देवी माचीवाल निवासी कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर 6
28 नवम्बर श्रीमती लक्ष्मी देवी धुंधारिया, जयपुर
28 नवम्बर श्रीमती गीता देवी खडगटा, एमएनआईटी, जयपुर
28 नवम्बर श्री राम अवतार सिरस्वा, बैनाड रोड, जयपुर
30 नवम्बर राजेन्द्र कुमावत गुड्डीवाल, महेश नगर, जयपुर
2 दिसम्बर श्री सीताराम भोड़ा, छारसा, जयपुर
2 दिसम्बर श्री माणकलाल मालीवाल, उदयपुर
2 दिसम्बर श्री शंकरलाल नाहर, उदयपुर
3 दिसम्बर श्रीमती कमला देवी मेरावंडिया, उदयपुर
4 दिसम्बर श्री श्रीमती संतोष खोवाल, नन्दपुरी, स्वेज फार्म, सोडाला, जयपुर
4 दिसम्बर श्री मूलचन्द कुमावत (कुदाल), पुराना फुलेरा
7 दिसम्बर श्री चेतन झालवार, कोड़ियात रोड, उदयपुर
7 दिसम्बर श्री रामसहाय धुंधारिया, रामबाग की ढाणी, नींदड़
9 दिसम्बर कुमारी अनुप्रेरणा (सोनू) सुपुत्री श्री पूरणचन्द बालोदिया, शास्त्री नगर, जयपुर
16 दिसम्बर श्रीमती सीता देवी देवतवाल, सोडाला, जयपुर
16 दिसम्बर श्री रामगोपाल बड़ीवाल, कालवाड़ रोड, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
धर्मेन्द्र	B.A.	Pvt. Service	10.10.96	5'9''	घोड़ेला	मारवाल	धुंधारिया	होदकास्या	8890386090	नीदड़
गुलाबचंद	B.A.	Pvt. Service	24.6.99	5'9''	घोड़ेला	मारवाल	धुंधारिया	होदकास्या	8890386090	नीदड़
अभीषेक	BA, LLB, LLM	Advocate	10.10.98	5'7''	कुकड़वाल	जलान्दरा	देवतवाल	होदकास्या	9602234977	जयपुर
राकेश	B.Sc./Paramedical	Pvt.	5.6.94	5'6''	जलांदरा	छापोला	घोड़ेला	बड़ीवाल	9694878316	नीमकाथाना
गर्वित	B.Com. A&F	Pvt.Ltd.	1.4.2000	-	वग्रेनिया	मेरमडिया	अनावडिया	खनाडिया	9322448767	पाली
रमेशचंद	B.A.	Self Business	20.8.96	5'11''	मियानिया	गुड्डीवाल	मारवाल	मारोठिया	9460872451	जयपुर
राज	M.Com, MBA.	Ecommerce	31.1.97	5'11''	तूंदवाल	अनावडिया	घोड़ेला	नागोरा	9414303920	जयपुर
मृदुल	B. Tech. (CS)	Sr. Manager in MNC	29.1.94	5'10''	मारोठिया	मामोडिया	सिरस्वा	काम्या	9799571362	जयपुर
रोहित	B.Com., M.Com.	Steno Teacher	25.11.93	5'10''	सिरस्वा	मारोठिया	मोरवाल	बालोढ़या	9351870560	जयपुर
यश	MBA	Sr. Officer Pvt.Ltd.	28.3.97	5'7''	जरोला	नोखवाल	तालचीड़ा	माल	9828267313	उदयपुर
हिमांशु	B.Tech.(Chem)	MNC sr. Scientist	13.9.93	5'5''	बगेरिया	मरेठिया	नीम्बीवाल	भोड़ीवाल	9844464615	बैंगलूरू
दीपक	B.A.	Self Business	20.11.99	5'8''	सिंगाठिया	खोरानिया	अजमेरा	बासनीवाल	9351346093	जयपुर
खुशमेन्दर	B.Sc.	Pvt. Service	22.8.95	5'5''	बासनीवाल	कारगवाल	साल्डीवाल	मुनेनिया	9252747915	जयपुर
अभिषेक	B.Sc.(Rediology)	Pvt.	8.6.99	5'8''	सांखला	देवतवाल	अडानिया	वग्रेनिया	9462021788	उदयपुर
आशीष	MBA (Finance)	Private	29.9.88	5'8''	बालोदिया	मारवाल	धुंधारिया	देवतवाल	9928181555	जयपुर
सौरभ	B.Tech. (IIT)MBA	Product manager paytm	2.10.96	5'10''	सारड़ीवाल	राजोरिया	कागरवाल	सिरस्वा	9929070311	जयपुर
डॉ. सावन	BNYS	Naturopathy Yoga	25.6.97	6'0''	अडानिया	बेडवाल	रेनीवाल	नागा	7665329900	अजमेर
राजकुमार	B.A., MBA	Finance Sector Pvt.	10.8.98	5'9''	मारोठिया	मारवाल	जलान्दरा	राजोरिया	9929686291	जयपुर
राहुल	B.Tech. (ECS)	Amity University	9.11.90	5'6''	कारगवाल	देवतवाल	होदकास्या	राजोरिया	8955845511	जयपुर
बसन्त	M.A.BSTC	on line service	6.6.95	5'4''	धमुनिया	मारोठिया	अनावड़िया	घासोलिया	9079181558	जयपुर
अजयराज	10th	Marketing	8.7.90	5'5''	धुंधारिया	होदकास्या	बारावाल	घासोलिया	8104401284	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
सलोनी	M.A.(Socilo.)	-	19.2.96	5'3''	मारोठिया	लोहरवाड़िया	लम्बा	कुण्डलवाल	9694129452	टोंक
दीक्षिता(मांगलिक)	B.Sc., BEd.	Pvt.	14.4.99	5'5''	मोरावट	गुगान	गोयल	मालवीया	9256644461	ब्यावर
हिमानी	B.Com.	Finance company	7.12.98	5'1''	पारमवाल	कुंडलवाल	कुकडवाल	जायलवाल	9712757112	आबूरोड
ममता	B.Com.,Banking	ICICI, DM	24.11.95	-	बबेरवाल	नोकवाल	दोराया	घोड़ेला	9768733512	मुम्बई
मनीषा	B. Tech (CS)	Develper at DOITC	28.3.96	5'1''	जालवाल	मारोठिया	खोराणिया	किरोड़ीवाल	9314633740	जयपुर
हिमानी	M.A., B.Ed.	-	13.8.96	5'2''	बसवाल	जालमिया	कारगवाल	देवतवाल	9799981123	आबूरोड
आयुषी	MBA. LLB	Bank Serice	1.2.96	5'3''	खोराणिया	बालोदिया	केकटिया	कारगवाल	9784412304	जयपुर
अर्पिता	M.A.	Muthoot Finance	6.11.2001	5'8''	कुंडलवाल	नागा	जलान्दरा	राहोरिया	7296912930	ब्यावर
मनीषा	M.A. (Eng lit.)	-	21.6.95	5'2''	मारोठिया	मारवाल	कुदाल	तूनवाल	9784515210	नीमकाथाना
राखी	M.Com.,RSCIT	comptition	19.3.97	5'0''	उज्जीवाल	बेडवाल	जलान्दरा	सिरस्वा	9772238809	सीकर
डॉ. क्षुटीका	MBBS	Pursing PG in MD	1.4.98	5'6''	सारड़ीवाल	बनावड़िया	लोठया	कामे	9426115682	पुणे
अविन्तका	M.Sc.(Maths)	Pvt.	1.12.98	5'3''	आसीवाल	जलान्दरा	लोहरवाड़िया	सालड़ीवाल	8788209389	चौमूं
लक्षिता	M.Com.	Genpact	8.10.98	5'2''	धुमुनिया	देवतवाल	भातरा	मारवाल	9983682787	जयपुर
भूमिका	Fashion & Textile	Own Business	28.12.99	5'2''	मारवाल	बालोदिया	केलूगरिया	मारोठिया	9252028370	जयपुर
रीना	B.Com. MBA	MNC Group	8.8.91	5'3''	बिनवाल	भाटीवाल	घोड़ेला	गुरी	9327426813	झुंझुनूं
रवीना	M.Com.	Pvt.	21.12.94	5'3''	खनारिया	कुदाल	माल	कुंडलवाल	8955014312	भीलवाड़ा
शीतल	M.Com.	Compitition	24.3.98	5'5''	बत्रा	अजमेरा	चंदेरिया	छाबल्या	9414783807	सांगानेर
सिमरन	B.Sc.,B.Ed.	Teacher	10.10.97	5'5''	राहोरिया	घोड़ेला	सिरस्वा	माचीवाल	7568866326	भीलवाड़ा
रीतू	M.Com.	Pvt. Job	13.7.94	5'1''	खोरानिया	कारगवाल	बालोदिया	काम्या	7877896848	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम ''कुमावत इंडिया पत्रिका''

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिले तो क्या करें

'कुमावत इंडिया' पत्रिका प्रति माह 25 तारीख तक सदस्यों को डाक से भेजी जाती है। यदि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका माह के अंत तक आपको नहीं मिले तो कृपया अपने क्षेत्र के पोस्टमैन अथवा पोस्ट मास्टर से इसकी शिकायत करें तथा हमें सूचित करें जिससे आपको सम्बन्धित अंक की प्रति पुन: भेजी जा सके। यदि शिकायत पर कोई कार्यवाही न हो तो कृपया इसकी सूचना 'कुमावत इंडिया' पत्रिका कार्यालय को दें या व्हाट्सएप नं. 9414554322 पर अपना नाम, पता मय पिनकोड लिखकर मैसेज करें। जिससे पत्रिका स्तर से भी सम्बन्धित पोस्ट ऑफिस को शिकायत भेजी जा सके।

सूचना

आदरणीय समाजजनों से निवेदन है कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशन हेतु सामाजिक गतिविधियों के समाचार, समाज प्रतिभाओं का विवरण व लेख आदि की जानकारी पत्रिका कार्यालय या व्हाट्सएप नं. 9414554322 या e-mail:kumawatindiapatrika@gmail.com पर भिजवाने का कष्ट करें। सम्पादक मण्डल इन पर विचार करके इन्हें प्रकाशित कराने की कार्यवाही करेगा। आपसे निवेदन है कि प्रकाशनार्थ सामग्री मूल हो तथा पूर्व में कहीं प्रकाशित नहीं हुई हो।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सदस्यता समाप्ति सूचना

सदस्यता संख्या 5/1 से 5/23 पांच वर्षीय के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया,मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
13. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
14. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
15. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

नववर्ष पर सभी समाज बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती मेघना कुमावत
धर्मपत्नी श्री दिलीप जलान्धरा
जन्मदिन 17 जनवरी

अशीष कुमावत
जन्मदिन 17 जनवरी

मेरी बड़ी सुपुत्री मेघना व सुपुत्र आशीष कुमावत को जन्मदिन पर

हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई

शुभेच्छु

ताऊजी-ताईजी : रूपचंद-पार्वती,
पिता-माता : राम प्रकाश मारवाल-सुनीता,
चाचा-चाची : राजकुमार-उमा, जयसिंह-कौशल्या,
सत्य प्रकाश-शकुंतला एवं समस्त मारवाल परिवार

कुशाग्र (कुश)

(सुपुत्र आशीष-प्रियंका मारवाल)

के चतुर्थ जन्मदिन
26 जनवरी, 2025 पर
हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई

शुभेच्छु

दादा- दादी :
रामप्रकाश-सुनीता
एवं
समस्त मारवाल परिवार

Apana Ashiyana (Girls P.G.) | Ashish Consultant

433-ए, परशुराम पार्क, सूर्य नगर, रिलायंस फ्रेश के पीछे रिद्धि-सिद्धि चौराहा, गोपालपुरा बाई पास, जयपुर-302015 मो. : 9717037470, 9414074376

नव वर्ष व मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वदेश एन्टरप्राइजेज एवं
डी एण्ड वाई एन्टरप्राईजेज जयपुर

मल्टी कलर प्रिन्टिंग के विशेषज्ञ

प्रो. अमर मण्डावरा मो. 9314633622

विगत 15 वर्षों से पूरे भारत वर्ष में बी.एड, डी.ई.एल.ई.डी (बी.एस.टी.सी.) इन्टीग्रिटेड (B.A., B.Ed/B.Sc. B.Ed.) की लेसन प्लान डायरी, रोलर बोर्ड, पोईन्टर, डस्टर, चौक, बैग आदि उचित दर पर सप्लाई किये जा रहे हैं। एक बार सेवा का अवसर देकर हमें कृतार्थि करें।

स्कूल एवं कॉलेज से सम्बन्धित स्कूल डायरी, प्रोस्पेक्टस, पेम्पलेट्स, पोस्टर, रसीद बुक, परीक्षा कॉपी, अभ्यास पुस्तिका, ब्रोसर व अन्य सभी प्रकार की स्टेशनरी प्रिन्ट करके दी जाती है। कृपय सेवा का मौका दें।

S.K. Production

Jaipur

Shyam Mandawara : 8560840755, 6375549423

All Kind of Photography & Vidography Facility Available

Specility in :- Candid, Cinematic Shoot, Traditional Photography & Videography, Pre-wedding Shoot, Led wall, Crane Plasma and Drone.

नि:शुल्क अग्नि कर्म चिकित्सा शिविर में 101 लोगों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

भारत स्वाभिमान न्यास पतंजलि योग समिति, पतंजलि महिला योग समिति, युवा भारत द्वारा निशुल्क आयुर्वेदिक अग्निक्रम चिकित्सा शिविर मे 101 लोग लाभान्वित हुए जिसमें

महिलाओं एवं पुरुषों ने भाग लिया। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जे एस राजावत व स्टाफ़ गोतम सिंह जी ने अपनी नि:शुल्क सेवाएं प्रदान की। शिविर में पतंजलि योग समिति के तहसील प्रभारी प्रभुदयाल कुमावत (तूनगरिया) ने बताया लोग हजारों साल पुरानी पद्धति को भूल गए उस ईलाज द्वारा व्यक्तियों को वर्षों से बीमारी थी आयुर्वेदिक अग्निकर्म चिकित्सा का दूसरी बार शिविर में लाभ लिया। डॉ. जे एस राजावत ने बताया कि तत्काल दर्द एवं रोगों की जड़ से मिटाने की आश्चर्यजनक चिकित्सा पद्धति को अग्निकर्म चिकित्सा कहते हैं इसमें मिश्र धातु से बनी सलाका से शरीर के प्रभावित भाग पर विशेष ऊर्जा दी जाती है इसमें घुटनों कमर जोड़ो गर्दन सिर कंधों का साइटिका कोनी एडी का दर्द आदि ठीक किए जाते हैं एवं त्वचा रोग सोरायसिस आदि रोग तथा पैरों में होने वाली कीले, मुंहासे, मास्क रोगों का अग्निकर्म के द्वारा ही इलाज संभव है।

जयपुर में LPG टैंकर में ब्लास्ट से भयंकर हादसा

20 दिसम्बर को जयपुर के भांकरोटा के पास अजमेर-जयपुर हाईवे पर टर्न लेते LPG टैंकर व कन्टेनर में भिडंत से हादसा हुआ। 18 टन LPG से भरे टैंकर में विस्फोट से हाईवे पर 1 किमी. तक आग का दावानल, बचने का कोई मौका नहीं था। जिसे बुझाने में 4 घण्टे लगे। इस हादसे में 12 लोग जिंदा जले, 32 लोग झुलसे इनमें से 27 लोग 80 प्रतिशत झुलस गये। हादसे में 34 यात्रियों से भरी उदयपुर से आ रही स्लीपर कोच भी शिकार हुई। इस दौरान 15 किमी तक जाम लगा, इससे मार्गस्त फंसे लोगों को खाने-पीने की दिक्कतों के साथ जाम का भी सामना करना पड़ा। यहां आग की चपेट में आयी 40 गाड़ियां 8 घण्टे तक जली रहीं।

श्री भवानीशंकर जी वर्मा

(आर्किटेक्ट)

द्वितीय पुण्यतिथि

10 दिसम्बर, 2024

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

विद्या (पत्नी), दामोदरलाल-शांति , स्व. मन्नालाल-मनोरमा (भ्राता-भ्राता पत्नी), रमेश-भारती, संजू-मीनाक्षी, संजय-अंजू, नितिन-रवीना (पुत्र-पुत्रवधु), आभास-कृति, अंकित-प्रियंका, अभिनंदन-रेणुका (पौत्र-पौत्रवधु) चिराग, चिनार, तनिष्क, प्रत्यक्ष, गरिमा (पौत्र-पौत्री), रेनू-डॉ. पी.एम. कुमावत, रीना-राजेंद्र (पुत्री-दामाद), सुरेश-पांखुरी (दोहिती दामाद-दोहिती), डॉ. विशेष, नंदादित्य (दोहित)

निवास : 60, जयजवान कालोनी-II, टोंक रोड, जयपुर| मो.: 9460870125

श्रद्धांजलि

हमारे पूज्य

श्री रामदयाल जी कुमावत

स्वर्गवास : 04.01.2024

हम सभी परिवारजन आपको सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।
आपका आशीर्वाद हमेशा बना रहे।

आभारकर्ता

श्रीमती फूलादेवी (पत्नी), श्रीमती अमिता-रमेश कुमावत, श्रीमती नमिता-स्व. दिनेश, श्रीमती अंजना-सतीश, गणपति आर्ट एन फ्रेम (पुत्र), पारितोष, हिमांशु व जषिथ (पौत्र), चारु (पौत्री), अव्यान (प्रपोत्र), कमला-आर एस जौहरी, स्व. संतोष-ओमप्रकाश मारवाल (पुत्री-दामाद), स्वीटी-मनीष खण्डारिया, आयुषी-दीपेश माथुर (पौत्री-दामाद) एवं गेदर परिवार

26, आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर, मो.: 9414554322

भंदे के बालाजी में कुमावत समाज प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ जिसमें राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम जी कुमावत पूर्व विधायक श्री निर्मल जी कुमावत समाज के कई भामाशाह कार्यक्रम में पधारे।

फलसुंड में कुमावत समाज के छात्रावास के लिए समाज के अध्यक्ष श्री लखारामजी कुमावत द्वारा अपने पुत्र की स्मृति मे 2 बीघा भूमि दान कर छात्रावास भवन का निर्माण कार्य को शुरू किया गया। इस नेक कार्य के लिए दानदाता परिवार का धन्यवाद।

श्रद्धांजलि

17वीं पुण्यतिथि

15 जनवरी 2025

स्व. श्री मनोहर सिंह जी कसुम्बीवाल

स्व. 15.01.2008

हम समस्त परिजन अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत

राजेश कुमार-मंजू, कमला देवी, त्रिलोक सिंह, विरेन्द्र सिंह, रोहित-गुंजन, दुर्गाबाई, विमला

हार्दिक ब्यूटी पार्लर

64, ग्रेटर कैलाश कॉलोनी, एपेक्स माल के पीछे, लाल कोठी, टोंक रोड, जयपुर-302015

मो. : 9828547080, फोन : 0141-2740892

स्व. श्री गोपाल लाल वर्मा (नागा)

8वीं पुण्यतिथि

14 जनवरी, 2025

स्व. 14.01.2017

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : बृजेन्द्र-विजयलक्ष्मी, अरुण-हेमलता, भवानी-मीनाक्षी, सुनील-उर्मिला

पुत्री-पुत्री दामाद : विमल-सतीश, रेणु-महेश जी, अनुराधा

पौत्र-पौत्र वधु : लोमश-मीनाक्षी, पौत्र : मनन,लोकेश, रोहित

पौत्री-पौत्री दामाद : अदिति-कमलेश जी, ऋचा-मयूर जी, रोमा-धीरज जी, आकांक्षा-गौरव जी, पौत्री : मुस्कान

दोहिती-दोहिती दामाद : शिवी-भरत जी, दोहिता : गर्वित, मृगांक

पड़ पौत्र : हिमाक्ष, गितांश (गीत) एवं समस्त नागा परिवार

डी-114ए, शिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर मो. 9983340103, 0141-2709547

श्रद्धांजलि

स्वर्ग. 12.1.1993

स्व. श्री भैरीलालजी नागा

32वीं पुण्यतिथि

12 जनवरी, 2025

स्वर्ग. 6.11.2010

स्व. श्रीमती धन्नीदेवी नागा

चौदहवीं पुण्यतिथि

6 नवम्बर 2024

श्रद्धानवत:

पुत्र-पुत्रवधु : सुरेन्द्र कुमार-विजय कुमारी, स्व. अमरकान्ता- स्व. राधेश्यामजी, पौत्र-पौत्रवधु : बृजेन्द्र-विजयलक्ष्मी, अरुण-हेमलता, संदीप-प्रतिमा, भवानी-मीनाक्षी, चन्द्रजीत-अंजू, सुनील उर्मिला, पड़पौत्रवधु: लोमेश-मीनाक्षी, षड़पौत्र : हनी, समस्त पौत्रियां, दामाद, पड़पौत्रियां, पड़पौत्र, षडपौत्र एवं नागा परिवार

पता- डी-114-ए, सिवाड एरिया, बापूनगर, जयपुर (राज.)

मो 9414994006 फोन 2709925

श्रद्धांजलि

स्व. श्री प्रेमचन्द बड़ीवाल

की तृतीय पुण्यतिथि

8 जनवरी, 2025

पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

बैकुण्ठधाम

8 जनवरी, 2022

श्रद्धान्वत

सी. एम. बड़ीवाल (भ्राता),

चैनसुख बड़ीवाल, कैलाश बड़ीवाल,

नितेश बड़ीवाल (पुत्र)

प्रतिष्ठान :

बड़ीवाल टैक्स एंड लॉ प्रैक्टिशनर प्राइवेट लिमिटेड

(दहमीकलां बालाजी स्टैंड, अजमेर रोड, बगरु, जयपुर)

दहमी कलां-बगरु, जयपुर मो. 9829056063, 9929012957

Ayush
Multispeciality Hospital

General, Surgical, Laparoscopy, Obstetrics & Gynecology

24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा

सोनोग्राफी प्राईवेट रूम

एम्बुलेन्स सेवा सर्जरी

सुविधाएं

1. 50 बैंड वाले अत्याधुनिक विदेशी उपकरणों से सुसज्जित सभी सुविधायुक्त अस्पताल ।
2. 24 घण्टे इमरजेन्सी सेवा हेतु डॉ. निवास हॉस्पिटल में ही।
3. वातानुकुलित ऑपरेशन थिएटर
4. एम्बुलेन्स की सुविधा ।
5. NICU की सुविधा।
6. एक्स-रे, ईसीजी, सोनोग्राफी आदि जांच की सुविधा।
7. लेबोरेट्री में सभी प्रकार के खून, मल-मूत्र, थूक, वीर्य आदि की कम्प्यूटराइज्ड मशीनों द्वारा जांच की सुविधा ।
8. सर्जन, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, यूरोलोजी, शिशु रोग विशेषज्ञ, कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ अस्थि रोग विशेषज्ञ, दन्त रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन की सेवायें।
9. दूरबीन से नसबंदी, नि: सन्तान, दम्पतियों का इलाज, IUI, IVF, I.CS.I., डिलीवरी व सिजेरियन ऑपरेशन
10. लैप्रोस्कोपी (दूरबीन के ऑपरेशन), हर्निया, हाइड्रोसिल, अपेन्डिक्स, टीयूआरपी (प्रोस्टेट का ऑपरेशन) बवासीर, फिस्टुला का इलाज, सभी प्रकार की पथरी का इलाज व आपरेशन शरीर पर गांठों का ऑपरेशन ।
11. डिजीटल कोलपोस्कोपी (बच्चेदानी के मुँह को कैन्सर) की जाँच उपलब्ध।
12. कैशलैस सुविधा उपलब्ध ।

डॉ. अभिमन्यु सिंह नागा
MBBS, DNB-Surgery
जनरल व लैप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. दीपिका सिंह
MBBS, DGO
स्त्री रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीतिन नेगी
गुर्दा, मूत्र, पथरी एवं प्रोस्टेट रोग विशेषज्ञ

डॉ. दिनेश चौधरी
नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ

डॉ. रितेश शर्मा
दंत रोग रोग विशेषज्ञ

विज्ञापन

गर्भवती महिलाओं, गर्भाशय से सम्बन्धित बीमारियाँ एवं इमरजेन्सी सेवाऐं 24 घण्टे उपलब्ध

अत्याधुनिक, जनरल, मेटरनिटी (डिलीवरी) एवं सर्जीकल (ऑपरेशन) सेन्टर

चिकित्सक, मेडिकल स्टोर, लैबोरेट्री एवं इमरजेन्सी सेवाऐं 24 घण्टे उपलब्ध

फिजियोथेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध है

Mukundpura Road, Bhankrota, Jaipur-302026
Ph.: 0141-2251712, Mob.: 7073731773

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-ब., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018